Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 47
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 23 फरवरी, 2026

# मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 कृषि विकास के लिए बाज़ारों की स्थिरता ...

4 एआई महाशक्ति बनने की राह : शिक्षा नीति ...

7 टी20 वर्ल्ड कप : सुपर-8 से पहले पाकिस्तान....

## संक्षिप्त न्यूज

### 'कांग्रेस का अंतिम हिंदू नेता' भाजपा में शामिल, बदल जाएगी असम की राजनीति

गुवाहटी। तीन दशक तक असम में कांग्रेस की राजनीति करने वाले भूपेन बोरा ने आज रविवार को भाजपा का दामन थाम लिया। 16 फरवरी को उन्होंने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद कांग्रेस के उच्च नेताओं ने उनसे अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए कहा था, लेकिन सभी अटकलों को विराम देते हुए बोरा ने रविवार को अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। उनके भाजपा में शामिल होने से जहां सत्तारूढ़ भाजपा को बड़ी मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है, वहीं राज्य में सत्ता में वापसी के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस के लिए इसे बड़ा झटका माना जा रहा है।

भूपेन बोरा को भाजपा में लाने का श्रेय पूरी तरह मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा को दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई से कथित मतभेदों के कारण बोरा पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे थे। वे कथित तौर पर कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण राजनीति से भी सहमत नहीं थे और समय-समय पर पार्टी के अंदर और बाहर हिंदू हितों की आवाज उठाते रहते थे। वे बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दों पर भी लगातार आक्रामक थे। संभवतः यही कारण था कि मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा उन्हें 'असम कांग्रेस में आखिरी प्रमुख हिंदू नेता' करार देते थे। आज उस नेता ने भी भाजपा का दामन थाम लिया।

**घुसपैठ और विकास पर केंद्रित भाजपा का चुनावी अभियान**

भाजपा असम में अपनी जीत की हैट्रिक लगाने के लिए घुसपैठ का मुद्दा जमकर उछाल रही है। शनिवार को असम दौरे पर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने भी घुसपैठ का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि असम की भाजपा सरकार पहली बार घुसपैठियों को वापस बांग्लादेश में भेजने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर यह अभियान और तेज किया जाएगा।

### मेरठ से पीएम मोदी का कांग्रेस-सपा पर तीखा हमला

## बोले- पहले स्कैम होते थे, अब काम होता है

मेरठ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम और मेरठ मेट्रो के उद्घाटन के दौरान एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को 'विकसित भारत' की कनेक्टिविटी का एक बेहतरीन उदाहरण बताया।

नया विजन और कार्य संस्कृति

पीएम मोदी ने कहा कि पहली बार एक ही प्लेटफॉर्म और एक ही ट्रैक पर 'नमो भारत' ट्रेन और 'मेट्रो' दोनों चल रही हैं। उन्होंने अपनी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती या भटकती नहीं हैं, बल्कि जिस काम का पत्थर रखा जाता है, उसे समय पर पूरा भी किया जाता है।

**सुरक्षा और नारी शक्ति**

प्रधानमंत्री ने पुरानी सरकारों पर तंज कसते हुए कहा कि पहले इस रूट पर शाम होते ही सन्नाटा और डर का माहौल रहता था, लेकिन अब कानून-व्यवस्था सुधरने से यात्रा सुरक्षित हो गई है। उन्होंने गर्व से बताया कि 'नमो भारत' में ऑपरेटर से लेकर स्टेशन कंट्रोल स्टाफ तक ज्यादातर काम बेटियां ही संभाल रही हैं, जो नारी शक्ति के सामर्थ्य को दिखाता है।

**दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क**

पीएम मोदी ने जानकारी दी कि भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों की भेंट चढ़ जाते थे, लेकिन बीजेपी सरकार ने घोटालों को बंद कर देश को आत्मनिर्भरता और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है।

**यात्रियों की सुविधा**

सराय कालेखां, आनंद विहार और गाजियाबाद जैसे स्टेशनों पर रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ा गया है। इससे यात्रियों को एक ही स्टेशन से शहर के भीतर जाने और दिल्ली-मेरठ के बीच सफर करने की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज विकसित देश भी भारत की युवाशक्ति और विकास को देखकर हमारे साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हैं।

**किसानों का सम्मान**

अंत में, प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को याद करते हुए कहा कि उनकी सरकार को उन्हें 'भारत रत्न' देने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है और यूपी के किसानों को अब तक 95 हजार करोड़ रुपये की सम्मान निधि दी जा चुकी है।

### ईडी का बड़ा फैसला:

## इस वित्त वर्ष 500 चार्जशीट दाखिल करने का लक्ष्य, अब एक से दो साल में पूरी होगी मामलों की जांच

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के मामलों में तेजी लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एजेंसी ने मौजूदा वित्त वर्ष में 500 चार्जशीट दाखिल करने का लक्ष्य तय किया है। साथ ही, जांच अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि केस दर्ज होने के बाद जांच को एक से दो साल के अंदर पूरा कर लिया जाए। हालांकि, बहुत पेचीदा मामलों में इसमें छूट मिल सकती है।

यह फैसला पिछले साल 19 से 21 दिसंबर के बीच असम के गुवाहाटी में हुई जोनल अधिकारियों की 34वीं तिमाही बैठक में लिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता ईडी डायरेक्टर राहुल नवीन ने की। एजेंसी अब दिल्ली से बाहर हर तीन महीने में ऐसी बैठकें कर रही है। इससे पहले केवड़िया (गुजरात) और श्रीनगर में बैठकें हुई थीं। गुवाहाटी में सम्मेलन आयोजित करना पूर्वोत्तर क्षेत्र की रणनीतिक और परिचालन अहमियत को भी दर्शाता है। यह बैठक मौजूदा वित्त वर्ष समाप्त होने से पहले आखिरी समीक्षा बैठक थी।

**जांच में तेजी और जिम्मेदारी पर जोर**

बैठक में अधिकारियों को बताया गया कि पुराने लंबित मामलों को खत्म करने और नई जांच को समय पर पूरा करने के लिए यह लक्ष्य जरूरी है। उन्हें निर्देश दिया गया कि जांच को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जाए, समय पर अभियोजन शिकायत दाखिल हों और कुर्की या जुर्माने जैसी कार्रवाई कानूनी रूप से ठोस हो। पीएमएलए कानून के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल सावधानी, निष्पक्षता और जवाबदेही के साथ करने, समन और कानूनी नोटिस केवल स्पष्ट आवश्यकता और उचित आधार पर जारी करने पर जोर दिया गया।

**इन अपराधों पर रहेगी खास नजर**

बैठक में कई प्राथमिकता वाले मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें विदेशों में छिपी अवैध संपत्ति का पता लगाना, गलत इस्तेमाल हो रहे ट्रेड चैनलों की पहचान करना, व्यापार के जरिए धन शोधन और दिवालियापन कानून (आईबीसी) के दुरुपयोग को रोकना शामिल है।

## 'अबकी बार ट्रंप से हार': अमेरिकी व्यापार समझौते पर कांग्रेस का हमला, कहा- डील में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि यह समझौता अबकी बार ट्रंप से हार का प्रमाण है। उन्होंने मांग की कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप के वैश्विक टैरिफ को अवैध ठहराए जाने के बाद इस समझौते को ठंडे बस्ते में डाला जाए और इसकी शर्तों पर फिर से बातचीत की जाए।

कांग्रेस का कहना है कि यह समझौता एकतरफा है और भारत ने इसमें ज्यादा रियायतें दी हैं। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में अबकी बार ट्रंप सरकार का नारा दिया था, लेकिन अब की डील में भारत को नुकसान हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने की संभावना पहले से थी, तो इतनी जल्दबाजी में समझौता क्यों किया गया।

**कृषि क्षेत्र पर असर का दावा**

रमेश ने कहा कि समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कई कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम या खत्म करने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे सोयाबीन, मक्का, फल, मेवा और कपास किसानों पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश के किसान प्रभावित होंगे।

**सुप्रीम कोर्ट का फैसला**

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के फैसले में ट्रंप द्वारा लगाए गए वैश्विक टैरिफ को अवैध करार दिया।

## श्रम कानूनों की आलोचना पर विधि आयोग बोला- दशकों में किया गया सबसे व्यापक और दूरगामी सुधार

नई दिल्ली। विपक्षी दलों और ट्रेड यूनियनों की आलोचना के बीच एक शीर्ष विधि आयोग अधिकारी ने चार नए श्रम कानूनों को दशकों में किया गया सबसे व्यापक और दूरगामी सुधार बताया है। विधि आयोग की सदस्य सचिव अंजू राठी राणा ने कहा कि ये कानून देश में अधिक समावेशी और भविष्य के अनुरूप श्रम बाजार बनाने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्षों से भारत में श्रम कानून क्रमिक रूप से विकसित होते रहे, जिससे अलग-अलग परिभाषाओं, विभिन्न मानकों और अनुपालन दायित्वों वाले अनेक कानून बन गए। चारों कानूनों का ढांचा वेतन, सुरक्षा मानकों और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों को एक साथ लाकर इस जटिलता को कम करने का प्रयास करता है।

**विधि आयोग अधिकारी ने बताई श्रम**

**कानूनों की खासियतें**

अंजू राठी राणा ने बताया कि वेतन संहिता, 2019 केंद्र सरकार को फ्लोर वेज तय करने का अधिकार देती है और वेतन संबंधी परिभाषाओं को मानकीकृत करती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 असंगठित, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता देती है। औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 ट्रेड यूनियन, स्थायी आदेश और औद्योगिक विवादों से जुड़े कानूनों को समेकित करती है, जबकि व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता सुरक्षा मानकों को एक आधुनिक ढांचे में लाती है।

हालांकि विपक्ष और 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने इन संहिताओं को श्रमिक विरोधी और कॉरपोरेट समर्थक बताते हुए आरोप लगाया है कि ये 'हायर एंड फायर' नीति को बढ़ावा देती हैं, यूनियन अधिकारों को सीमित करती हैं और सामाजिक सुरक्षा को कमजोर करती हैं।

**विधायी एकीकरण केवल शुरुआत :विधि आयोग**

राणा ने कहा कि विधायी एकीकरण केवल शुरुआत है। इन कानूनों की सफलता राज्यों में समन्वित क्रियान्वयन और उद्यमों को लचीलापन देने के साथ श्रमिकों की सुरक्षा के संतुलन पर निर्भर करेगी। श्रम मंत्रालय द्वारा हाल ही में नियोक्ताओं के अनुपालन संबंधी ढांचे की रूपरेखा भी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि असली परीक्षा यह होगी कि क्या ये सुधार व्यवहार में प्रभावी और विश्वसनीय श्रमिक संरक्षण सुनिश्चित कर पाते हैं।

## तमिलनाडु चुनाव में इस सीट से लड़ेंगे एक्टर विजय? TVK ने प्रस्ताव किया पास

चेन्नई। तमिल फिल्मों के सुपरस्टार विजय ने हाल ही में अपनी राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) की घोषणा की थी। अब उनकी पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक प्रस्ताव पास किया है। इसमें उन्होंने विजय से उत्तरी चेन्नई की पेरंबूर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का आग्रह किया है। इस कदम से साफ है कि टीवीके आने वाले चुनाव में उत्तरी चेन्नई को एक बड़ा राजनीतिक अखाड़ा बनाना चाहती है।

रविवार को चेन्नई में हुई पार्टी की एक बैठक में यह प्रस्ताव पास किया गया। पार्टी के चुनाव अभियान प्रबंधन सचिव आधव अर्जुन ने यह प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं की एक ही मांग है कि विजय पेरंबूर से चुनावी मैदान में उतरें।

बाद में पार्टी के महासचिव एन. आनंद ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने सदस्यों को भरोसा दिलाया कि उनकी भावनाओं को पार्टी नेतृत्व तक पहुंचाया जाएगा। आनंद ने विजय को उनके लोकप्रिय नाम थलपति से संबोधित करते हुए कहा, 'हम आधव द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं और आपकी इच्छा को थलपति तक पहुंचाएंगे'।

**उत्तरी चेन्नई ही क्यों?**

इस मांग के पीछे का कारण बताते हुए आधव अर्जुन ने कहा कि पार्टी नेतृत्व का मानना है कि उन सीटों से चुनाव लड़ना चाहिए जहां गरीबी ज्यादा है और लोगों की जरूरतें अधिक हैं। उनके अनुसार, उत्तरी चेन्नई इन शर्तों को पूरा करता है और इसलिए यह पार्टी की राजनीतिक विचारधारा के अनुकूल है।

उन्होंने यह भी बताया कि विजय की भी यही पसंद है कि वे पेरंबूर, कोलाथुर या आर.के. नगर जैसी उत्तरी चेन्नई की किसी सीट से चुनाव लड़ें। आधव ने यह भी दावा किया कि विजय का उत्तरी चेन्नई की राजनीति में कदम रखने का फैसला उन पुरानी घटनाओं से भी प्रभावित है, जब हार्बर क्षेत्र में प्रचार के दौरान टीवीके के पदाधिकारियों के साथ कथित तौर पर बदसलूकी की गई थी।

**डीएमके के गढ़ में सीधी चुनौती**

सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को सीधी चुनौती देते हुए आधव ने उन दावों को खारिज कर दिया कि चेन्नई पार्टी का राजनीतिक गढ़ बना हुआ है। उन्होंने कहा कि टीवीके जानबूझकर अपना अभियान राजधानी शहर से शुरू कर रही है ताकि इस धारणा को तोड़ा जा सके। उन्होंने पार्टी सदस्यों के बीच घोषणा की, अब से चेन्नई टीवीके का है।

उन्होंने उत्तरी चेन्नई का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य मंत्री पी. के. सेकर बाबू पर भी निशाना साधा। आधव ने दावा किया कि भले ही डीएमके इस क्षेत्र में अपने प्रभुत्व का दावा करती है, लेकिन अब प्रभावशाली स्थानीय नेता टीवीके के साथ जुड़ रहे हैं।

## सिद्धारमैया सरकार का Digital Detox प्लान, Under 16 छात्रों के Social Media इस्तेमाल पर लगेगी रोक

बैंगलुरू। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार 16 साल से कम उम्र के छात्रों के लिए मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने की योजना बना रही है। सरकार का मानना है कि सोशल मीडिया की लत और इसका युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर एक गंभीर चिंता का विषय है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बच्चे न केवल सोशल मीडिया के शिकार हो रहे हैं, बल्कि ड्रग्स के खतरे में भी फंस रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों का उदाहरण देते हुए उन्होंने विशेषज्ञों से फीडबैक मांगा है कि क्या कैंपस में नाबालिगों के लिए मोबाइल फोन का एक्सेस कम कर देना चाहिए।

**मंत्री और विशेषज्ञों की चिंता**

कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी विधानसभा में बताया कि सरकार बच्चों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल को लेकर सलाह ले रही है। सरकार का मानना है कि स्क्रीन पर बहुत ज्यादा समय बिताने से बच्चों के व्यवहार, पढ़ाई और मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है।

**अन्य राज्यों में भी हलचल**

कर्नाटक के अलावा दूसरे राज्य भी इसी तरह के कदम उठा रहे हैं। गोवा की सरकार 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म से दूर रखने पर विचार कर रही है।

आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश ने कहा है कि सोशल मीडिया पर महिलाओं का उत्पीड़न और बच्चों की घटती एकाग्रता एक बड़ी समस्या है। आंध्र प्रदेश सरकार ने इस विषय पर मेटा, गूगल और एक्स जैसी बड़ी टेक कंपनियों को मीटिंग के लिए बुलाया है ताकि बच्चों के लिए सोशल मीडिया को सुरक्षित बनाया जा सके।

सरकारों का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा कानूनी ढांचा तैयार करना है जिससे उम्र के हिसाब से सोशल मीडिया का सही और सुरक्षित इस्तेमाल सुनिश्चित किया जा सके।

## कोली समाज के कार्यक्रम में पहुंचे अरविंद केजरीवाल, कहा- समाज के सुख-दुख में साथ खड़ी है आप

भावनगर। गुजरात के भावनगर में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 151 जोड़ों के सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम श्री वीर मंधाता कोली समाज संगठन द्वारा किया गया, जो पिछले 12 वर्षों से जरूरतमंद और अनाथ बेटियों की शादी करवा रहा है। अब तक 2000 से ज्यादा बेटियों की शादी करवाई जा चुकी है। कुछ साल पहले 501 जोड़ों की शादी एक साथ करवाई गई थी।

अरविंद केजरीवाल ने मंच से किसी तरह की राजनीतिक बात नहीं की। उन्होंने सिर्फ बेटियों की खुशियों की बात की, परिवारों की जिम्मेदारियों की बात की और समाज से अपील की कि दिखावे और कुरीतियों को खत्म करें। उन्होंने कहा कि अगर समाज के बच्चों को अच्छी शिक्षा और सही अवसर मिले तो वे देश का नाम रोशन कर सकते हैं। मेहनती और प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए।

इस कार्यक्रम में हर जाति और हर धर्म की बेटियां शामिल थीं। यह सिर्फ एक समाज का नहीं, बल्कि पूरे समाज को जोड़ने का आयोजन था। आम आदमी पार्टी की यह मौजूदगी यह दिखाती है कि पार्टी सिर्फ चुनाव की राजनीति नहीं करती, बल्कि समाज के सुख-दुख में साथ खड़ी रहती है।

## पित्रोदा बोले- दूसरों की सेवा करने के लिए हैं भारतीय प्रतिभाएं; भाजपा का कांग्रेस पर पलटवार

नई दिल्ली। भारतीय कांग्रेस (आईओसी) के प्रमुख सैम पित्रोदा एक बार फिर विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि कि भारत ने अपरिपक्व प्रतिभाओं को दूसरों की सेवा करने के लिए तैयार किया है। देश के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र पर टिप्पणी करते हुए पित्रोदा ने कहा कि यह शर्म की बात है कि 1.5 अरब की आबादी वाले देश के पास अपना ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी टिप्पणी की आलोचना की और भारत को नीचा दिखाने का आरोप लगाया।

**सैम पित्रोदा ने क्या कहा?**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पित्रोदा ने एक इंटरव्यू में कहा, नई दिल्ली ने युवाओ प्रतिभाओं का एक बड़ा आधार तो तैयार किया है, लेकिन घरेलू नवाचार के लिए इसका लाभ उठाने विफल रही है।

उन्होंने कहा, हमने कई युवा प्रतिभाओं को तैयार किया, लेकिन वे अभी अपरिपक्व हैं। आखिरकार इससे दुनियाभर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उनके प्रोग्रामिंग, बैंकिंग, कानूनी प्रणालियों, उद्योग, विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स में मदद मिली। उन्होंने आगे कहा, भारत ने खुद वैश्विक स्तर के तकनीकी उत्पाद नहीं बनाए हैं और यहां की प्रतिभा का उपयोग दूसरों की सेवा करने में किया गया है।

पित्रोदा ने टिप्पणी की, न तो हमने अपना कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाया है, न ही माइक्रोसॉफ्ट जैसी कोई बड़ी कंपनी शुरू की है। हमने अपना ऑपरेटिंग सिस्टम भी विकसित नहीं किया है। यह शर्म की बात है कि डेढ़ अरब की आबादी वाले देश के पास अपना ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं है। हम मोबाइल फोन के लिए भी ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं बना पाए। हमने वास्तव में अपनी प्रतिभा का उपयोग दूसरों की सेवा में किया है।

**भाजपा ने किया पलटवार**

वहीं, भाजपा ने तत्काल उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी। सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पित्रोदा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 'लश्कर-ए-कांग्रेस' के मुख्य सलाहकार ने एक बार फिर झूठ बोलकर भारत का मजाक उड़ाया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पित्रोदा की टिप्पणियों पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के टॉपलेस प्रदर्शन के बाद अब कांग्रेस के मुख्य सलाहकार पित्रोदा मैदान में आए हैं और उनका यह फिर से भारत की आलोचना करने का एजेंडा है।

# 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर जनसहभाग से स्वच्छता अभियान

**दिव्यांश**

नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ संचालित करते हुए यह ध्यान रखा जा रहा है कि स्वच्छता एक सामूहिक प्रयास है, इसलिए जनसहभाग पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में आज रविवार की सार्वजनिक छुट्टी के दिन संत निरंकारी मिशन नामक सेवाभावी संस्था के माध्यम से अमृत परियोजना के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' स्वच्छता अभियान नवी मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से आयोजित किया गया। इसमें नवी मुंबई महानगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारी एवं सफाईकर्मियों के साथ-साथ संत निरंकारी मिशन के बड़ी संख्या में सदस्य भी सहभागी हुए।

'ज्वेल ऑफ नवी मुंबई' पर्यटकों के लिए नवी मुंबई का एक प्रमुख आकर्षण केंद्र है। इस स्थान पर स्थित जलाशय के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें नवी मुंबई महानगरपालिका के शहर अभियंता श्री शिरीष आरदवाड, अतिरिक्त शहर अभियंता श्री अरविंद शिंदे, ठोस कचरा प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गडदे, उपमुख्य स्वच्छता अधिकारी श्री नरेश अंधेर, स्वच्छता निरीक्षक, उप-स्वच्छता निरीक्षक तथा सफाईकर्मियों के साथ 250 से अधिक संत निरंकारी मिशन के स्वयंसेवक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। सभी ने मिलकर ज्वेल ऑफ नवी मुंबई जलाशय परिसर की गहन सफाई की।

इसी प्रकार संत निरंकारी मिशन के नेरूल विभाग के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सहयोग से शिरवणे-जुईनगर स्थित चिंचोली तालाब परिसर में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें ठोस कचरा प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गडदे, नेरूल विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती अनुराधा बाबर, उपमुख्य स्वच्छता अधिकारी श्री नरेश अंधेर, स्वच्छता अधिकारी श्री अरुण पाटील, अन्य स्वच्छता अधिकारी एवं निरीक्षकों के साथ 175 संत निरंकारी मिशन के स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभाग किया।

वाशी में भी सेक्टर 9 और 10 स्थित मिनी सी-शोर परिसर में आयोजित स्वच्छता अभियान में महानगरपालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ 150 से अधिक संत निरंकारी मिशन के सदस्य शामिल हुए। सभी स्थानों से एकत्रित कचरे को विशेष वाहनों द्वारा तुर्भे स्थित ठोस कचरा प्रबंधन परियोजना स्थल पर प्रसंस्करण हेतु ले जाया गया।

इसके अतिरिक्त 'हिंद दी चादर' कार्यक्रम के अंतर्गत नवी मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग विशेष गहन स्वच्छता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज रविवार को महानगरपालिका क्षेत्र के सभी सात गुरुद्वारों के आसपास नवी मुंबई महानगरपालिका के सफाईकर्मियों द्वारा विशेष गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें गुरुद्वारों के सदस्य भी सहभागी हुए।

# ठाणे में 15 कोच वाली ट्रेन के विस्तार के लिए मध्य रेल ने मेगा ब्लॉक सफलतापूर्वक संपन्न किया

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के मुंबई मंडल ने दिनांक 22.02.2026 (रविवार) को 11:00 बजे से 16:00 बजे तक मुलुंड रेलवे स्टेशन और ठाणे रेलवे स्टेशन के बीच अप और डाउन स्लो लाइनों पर मेगा ब्लॉक परिचालित किया।

ब्लॉक की अवधि के दौरान, ठाणे में प्लेटफॉर्म के विस्तार और 15 कोच वाली ट्रेनों को समायोजित करने के लिए ठाणे यार्ड के पुनर्निर्माण से संबंधित कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। इस कार्य में इंजीनियरिंग, ओएचई, सिग्नल और दूरसंचार तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, पर्यवेक्षक और कर्मचारी शामिल थे। निम्नलिखित प्रमुख कार्य निष्पादित किए गए:

क्रेन मशीन का उपयोग करके स्विच और पुलिया को हटाना और लगाना

साइडिंग का काम और टैपिंग क्रॉसओवर बिछाना और ट्रैक शिफ्ट करना

मौजूदा क्रॉसओवर को हटाना और 80 मीटर नया ट्रैक बिछाना संपर्क तारों को पुनः तनाव देना और ओएचई रखरखाव

पॉइंट मशीन, सिग्नल और ट्रैक सर्किट को शिफ्ट करना।

ब्लॉक के दौरान सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए:

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सुबह 10:04 बजे से दोपहर 3:09 बजे तक चलने वाली डाउन स्लो सेवाओं को मुलुंड और ठाणे स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया गया और ठाणे में डाउन स्लो लाइन पर पुनः डायवर्ट किया गया।

कल्याण जंक्शन रेलवे स्टेशन से सुबह 10:36 बजे से दोपहर 15:24 बजे तक चलने वाली अप स्लो ट्रेनों को ठाणे और मुलुंड स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया गया और मुलुंड स्टेशन पर उन्हें वापस अप स्लो लाइन पर डायवर्ट कर दिया गया।

यह 34 यार्ड के पुनर्निर्माण का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मध्य रेल पर 15 कोच वाली लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाना है। यह कार्य एक साथ कई स्टेशनों पर किया जा रहा है, जिनमें ठाणे प्रमुख स्टेशनों में से एक है जहां बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया जा रहा है।

इन कार्यों के पूरा होने से मौजूदा ट्रेन सेवाओं में सुधार होगा और इस खंड पर 15 कोच वाली ट्रेनों की संख्या में वृद्धि होगी।

उन्नत यार्ड बुनियादी ढांचे से 15 कोच वाली ट्रेनों की स्टेबलिंग और सुचारू रखरखाव भी संभव हो सकेगा।

मेगा ब्लॉक का संचालन सभी निर्धारित सुरक्षा सावधानियों का पालन करते हुए किया गया। यात्रियों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए स्टेशनों पर पर्याप्त टिकट चेकिंग और सुरक्षा कर्मचारी तैनात किए गए थे।

असुविधा को कम करने के लिए बार-बार घोषणाएं की गईं।

मध्य रेल सुरक्षित, विश्वसनीय और कुशल रेल सेवाएं प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा जनता को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखेगा।

# बिश्नोई गैंग ने ठाणे के कारोबारी को दी जान से मारने की धमकी, मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

ठाणे। महाराष्ट्र में लंबे समय से अंडरवर्ल्ड के नाम पर लोगों को मिलने वाली धमकियों पर नकेल कसी हुई थी। हालांकि, बीते कुछ समय में एक बार फिर से महाराष्ट्र में फिर से अंडरवर्ल्ड का साया गहराता जा रहा है। राज्य के ठाणे जिले के एक कारोबारी से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर 10 करोड़ की रंगदारी मांगी गई है।

ठाणे के एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि जिले के एक प्रमुख बिल्डर से 10 करोड़ रुपये की उगाही करने की कोशिश करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्तियों ने बिश्नोई गैंग का हिस्सा होने का दावा किया है।

**बिश्नोई गैंग का सदस्य होने का किया दावा**

नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में 60 वर्षीय व्यवसायी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उन्हें 11 फरवरी को व्हाट्सएप पर कॉल आई थी। कारोबारी ने बताया कि वह मध्य प्रदेश में एक धार्मिक समारोह में शामिल होने गए थे, उस दौरान व्हाट्सएप पर कई कॉल आए। कॉल पर उन्हें 10 करोड़ रुपये देने के लिए कहा गया।

कारोबारी ने बताया कि धमकी देने वालों ने ऐसा न करने पर उन्हें मरने के लिए तैयार रहने को कहा गया। फोन करने वाले शख्स ने खुद को बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया था। अज्ञात शख्स ने बिल्डर से यह भी कहा कि वह कॉल को रिकॉर्ड करने और पुलिस को सौंपने के लिए आजाद है।

**अंतरराष्ट्रीय नंबर से भी आए धमकी भरे फोन**

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया, '20 फरवरी को भी कारोबारी का उत्पीड़न जारी रहा। बिल्डर अपने कार्यालय में थे, इस दौरान एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से चार व्हाट्सएप कॉल आए। जब उन्होंने कॉल का जवाब नहीं दिया, तो संदिग्ध ने दोपहर 12:29 बजे उनके मोबाइल फोन पर एक ऑडियो क्लिप भेजा, जिसमें जान से मारने की धमकियां थीं।'

नौपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक अभय चंद्रनाथ महाजन ने बताया कि व्यवसायी की शिकायत, व्हाट्सएप कॉल और ऑडियो क्लिप के आधार पर 20 फरवरी को भारतीय न्याय संहिता के तहत जबरन वसूली और अन्य अपराधों के लिए एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

# नवी मुंबई मेयर श्री राज्य स्तरीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता के विजेता बने कोल्हापुर के अजिंक्य रेडकर

## नेरुल के निरंत पाटील को एनएमएमपीए एरिया श्री सम्मान

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

राज्य भर के बॉडीबिल्डरों में अत्यंत लोकप्रिय 'नवी मुंबई मेयर श्री राज्य स्तरीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता' तथा 'एनएमएमपीए एरिया श्री बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता' का समापन विष्णुदास भावे नाट्यगृह में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

राज्य के विभिन्न जिलों से विभिन्न भार वर्गों में भाग लेने वाले कुल 128 बॉडीबिल्डरों में से कोल्हापुर के अजिंक्य रेडकर ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित नवी मुंबई मेयर श्री कप तथा 'नवी मुंबई मेयर श्री राज्य स्तरीय बॉडीबिल्डर 2025-26' का खिताब जीता। इसके साथ उन्हें 1.5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सोलापुर के पंचाक्षरी लोणार ने 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि के साथ राज्य स्तरीय उपविजेता का खिताब प्राप्त किया।

नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 71 प्रतियोगियों में से नेरुल के निरंत पाटील ने 'नवी मुंबई महानगरपालिका एरिया श्री 2025-26' का खिताब जीतते हुए 70 हजार रुपये तथा ट्रॉफी प्राप्त की। नेरुल के ही अक्षय पाटील ने 38 हजार रुपये की पुरस्कार राशि के साथ उपविजेता का स्थान हासिल किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में ठाणे के मोहम्मद जमाल को 'मोस्ट इम्प्रूव्ड बॉडीबिल्डर' तथा रायगढ़ के स्वप्निल साकपाल को 'बेस्ट पोजर' का पुरस्कार मिला। दोनों को 15-15 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

कुल 199 बॉडीबिल्डरों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ प्रारंभ हुई इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का समापन नवी मुंबई की महापौर श्रीमती सुजाता सूरज पाटील के शुभहस्ते हुआ। हालिया नगर निगम चुनावों के कारण छह वर्षों के अंतराल के बाद यह प्रतियोगिता अपने पूर्व नाम नवी मुंबई मेयर श्री के अंतर्गत आयोजित की गई।

इस अवसर पर महापौर ने कहा कि व्यायाम और स्वास्थ्य का घनिष्ठ संबंध है। शहर के युवाओं को व्यायाम की ओर अग्रसर होना चाहिए, जिससे वे स्वतः ही नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहेंगे और शहर स्वस्थ व सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिताएँ युवाओं को प्रेरित करने और उनमें व्यायाम के प्रति रुचि विकसित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। भविष्य में अधिक से अधिक प्रतियोगियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महानगरपालिका निरंतर प्रयास करेगी।

समापन समारोह में उपमहापौर श्री दशरथ भगत ने जानकारी दी कि नवी मुंबई महानगरपालिका खेल क्षेत्र में उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के विकास हेतु विभिन्न उपक्रम चला रही है। उन्होंने घणसोली में भव्य खेल संकुल के निर्माण की योजना तथा भविष्य में राष्ट्रीय स्तर की बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता आयोजित करने की इच्छा भी व्यक्त की।

बॉडीबिल्डिंग संघ के पदाधिकारी एवं पूर्व सांसद श्री संजीव नाइक ने 1996 से निरंतर सफलतापूर्वक आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में राज्य भर से बॉडीबिल्डरों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। खेल विभाग की उप आयुक्त श्रीमती अभिलाषा म्हात्रे ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से महानगरपालिका युवाओं को शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूक कर रही है।

उद्घाटन समारोह में महापौर श्रीमती सुजाता सूरज पाटील, खेल विभाग की उप आयुक्त श्रीमती अभिलाषा म्हात्रे-पाटील, क्रीड़ा अधिकारी श्री रेवप्पा गुरव, कार्यकारी अभियंता श्री प्रविण गाडे, महाराष्ट्र राज्य बॉडीबिल्डिंग संघ के सचिव श्री राजेंद्र चव्हाण, उपाध्यक्ष श्री गोपाल गायकवाड, पदाधिकारी श्री शरद मारणे एवं श्री अजय गोले, नवी मुंबई बॉडीबिल्डिंग संघ के अध्यक्ष श्री जी. एस. पाटील, सचिव श्री हेमंत खेब्दे, श्री विनय मोरे सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। पुरस्कार वितरण समारोह में उपमहापौर श्री दशरथ भगत, पूर्व सांसद एवं बॉडीबिल्डिंग संघ के अध्यक्ष श्री संजीव नाइक सहित अन्य मान्यवर उपस्थित रहे।

नवी मुंबई मेयर श्री राज्य स्तरीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता 55, 60, 65, 70, 75, 80, 85 तथा 85 किलो से अधिक-इन 8 भार वर्गों में आयोजित की गई। वहीं, नवी मुंबई महानगरपालिका एरिया श्री प्रतियोगिता 50, 55, 60, 65, 70 तथा 70 किलो से अधिक-इन 6 भार वर्गों में संपन्न हुई। प्रत्येक भार वर्ग में क्रमशः 6 एवं 5 विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शाम 5 बजे से रात 12:15 बजे तक विष्णुदास भावे नाट्यगृह में बॉडीबिल्डरों और खेलप्रेमियों का उत्साह देखते ही बनता था।

# कृषि के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन आयोजित करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

## कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म का लोकार्पण

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। किसानों को डिजिटल सेवाओं का आत्मविश्वास के साथ उपयोग करना चाहिए। किसानों के लिए शुरू किए गए विभिन्न डिजिटल ऐप्स के माध्यम से वे अपनी भाषा में संवाद कर कृषि से संबंधित प्रश्नों के तुरंत उत्तर प्राप्त कर सकते हैं। 'महा-एआई इनोवेशन सेंटर' के माध्यम से विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों को एक साथ लाकर एक डिजिटल-सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने का राज्य सरकार का प्रयास है। किसानों के व्यापक हित में कृषि के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन आयोजित करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा।

वे 'महाराष्ट्र कृषि-कृत्रिम बुद्धिमत्ता नीति 2025-2029' के अंतर्गत जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'वैश्विक कृषि क्षेत्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन एवं निवेशक शिखर सम्मेलन (एआई फॉर एग्री 2026)' के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरने, रोजगार गारंटी योजना मंत्री भरत गोगावले, कृषि राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल, अपर मुख्य सचिव (कृषि) विकास चंद्र रस्तोगी, कृषि आयुक्त सूरज मांढरे, नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना के परियोजना निदेशक परिमल सिंह, विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक परमेश्वरन अय्यर सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने डिजिटल आधारभूत संरचना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण स्थान दिया है। 'इंडिया एआई मिशन' का उद्देश्य प्रौद्योगिकी के माध्यम से समावेशिता, पारदर्शिता और व्यापक प्रभाव सुनिश्चित करना है। कृषि प्रत्येक परिवार और प्रत्येक व्यक्ति के जीवन से जुड़ा क्षेत्र है। कृषि को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया है और महाराष्ट्र एआई क्रांति में अग्रणी रहेगा। सर्वसमावेशी एआई कृषि नीति घोषित करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य बना है।

'महा-विस्तार एआई' : किसानों का डिजिटल साथी

किसानों के लिए 'महा-विस्तार एआई' नामक डिजिटल साथी विकसित किया गया है। इसके माध्यम से कृषि परामर्श, मौसम और कीट प्रबंधन की जानकारी, बाजार भाव संकेत तथा सरकारी योजनाओं तक आसान पहुँच उपलब्ध होगी। अब तक यह ऐप 30 लाख किसानों तक पहुँच चुका है और पंजीकरण में लगातार वृद्धि हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र केवल एआई का उपयोग करने वाला नहीं, बल्कि जिम्मेदार और परिणामकारी एआई अपनाने वाला अग्रणी राज्य बनेगा। हर किसान के पास स्मार्टफोन हो, यह आवश्यक नहीं है; न ही सभी को केवल मराठी में ही जानकारी चाहिए। इसलिए राज्य सरकार ने बहुभाषी और वॉयस-आधारित डिजिटल सुविधाएँ शुरू की हैं, जिनमें स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता दी गई है। इससे किसान डिजिटल सेवाओं का आत्मविश्वास के साथ उपयोग कर रहे हैं। आने वाले समय में इन सेवाओं को प्रत्येक तालुका और गाँव तक विस्तार देने का लक्ष्य है। 'महा-एआई इनोवेशन सेंटर' के माध्यम से विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों को जोड़कर एक सशक्त और उपयोगी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा रहा है।

# कठाणा-वासद खंड में विशेष रेलवन ऐप अभियान

मुंबई। वडोदरा मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा कठाणा-वासद खंड में रेलवन ऐप के प्रचार तथा डिजिटल जागरूकता के उद्देश्य से हाल ही में एक विशेष अभियान आयोजित किया गया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक वडोदरा मंडल श्री नरेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कठाणा से वासद स्टेशन तक यात्रा कर रहे यात्रियों से वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों ने प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया और उन्हें रेलवन ऐप डाउनलोड करने एवं पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी।

इस अभियान के अंतर्गत, खंड में अधिकांश यात्री एमएसटी (मासिक सीजन टिकट) धारक होने तथा कई यात्रियों के पास कीपैड मोबाइल होने जैसी व्यावहारिक चुनौतियों के बावजूद 7 यात्रियों का सफलतापूर्वक ऐप डाउनलोड एवं पंजीकरण कराया गया। वडोदरा मंडल द्वारा डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देने और यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से इस प्रकार के जागरूकता अभियान समय-समय पर नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

**पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल**

**बिजली विभाग (पॉवर)**

**ई–निविदा सूचना**

**संख्या : EL-2025-26-26R, दिनांक : 20.02.2026**. मंडल रेल प्रबंधक (बिजली/पॉवर शाखा) पश्चिम रेलवे रतलाम भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ''खुली निविदा'' ई–निविदा के माध्यम से वेब–साईट **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित करते है। विवरण इस प्रकार है:

**ई टेंडरिंग संख्या** : EL-2025-26-26R, **कार्य का नाम** : Ratlam Division : Ratlam & Indore - Provision of 06 Escalators at Platform no 04 and platform no 07 of Ratlam station and 01 no. of Escalator in circulating area of PF-05/06 at Indore station. (Electrical + Civil), **अनुमानित लागत** : ₹ 74059417.39, **बयाना राशि:** ₹ 520300.00, **निविदा खुलने की तिथि** : 24.03.2026. विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य शर्ते वेब–साईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। ADM/7/1/473

Follow us on: twitter.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल**

**बिजली विभाग (पॉवर)**

**ई–निविदा सूचना**

**संख्या : EL-2025-26-49, दिनांक : 19.02.2026**. मंडल रेल प्रबंधक (बिजली/पॉवर शाखा) पश्चिम रेलवे रतलाम भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ''खुली निविदा'' ई–निविदा के माध्यम से वेब–साईट **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित करते है। विवरण इस प्रकार है:

**ई टेंडरिंग संख्या** : EL-2025-26-49, **कार्य का नाम** : Ratlam Division - Ujjain - Electrical work in connection with improvement to circulating area and drainage towards PF 1 and 8 (Simhastha 2028), **अनुमानित लागत** : ₹ 11895430.96, **बयाना राशि:** ₹ 209500.00, **निविदा खुलने की तिथि** : 17.03.2026. विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य शर्ते वेब–साईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। ADM/7/1/472

Follow us on: twitter.com/WesternRly

**पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल**

**बिजली विभाग (पॉवर)**

**ई–निविदा सूचना**

**संख्या : EL-2025-26-48, दिनांक : 19.02.2026**. मंडल रेल प्रबंधक (बिजली/पॉवर शाखा) पश्चिम रेलवे रतलाम भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ''खुली निविदा'' ई–निविदा के माध्यम से वेब–साईट **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित करते है। विवरण इस प्रकार है:

**ई टेंडरिंग संख्या** : EL-2025-26-48, **कार्य का नाम** : Ratlam Division - Electrical work in connection with Augmentation of water supply arrangement at various 12 stations in connection with Simhastha 2028, **अनुमानित लागत** : ₹ 12506359.92, **बयाना राशि:** ₹ 212500.00, **निविदा खुलने की तिथि** : 17.03.2026. विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य शर्ते वेब–साईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। ADM/7/1/471

Follow us on: twitter.com/WesternRly

कृषि क्षेत्र में सरकार की भूमिका, कुशल बाज़ार व्यवस्था और प्रभावी प्रबंधन के लिए नवाचारी साधनों की आवश्यकता

# कृषि विकास के लिए बाज़ारों की स्थिरता अत्यंत आवश्यक

**'ट्रस्ट इंजन' संगोष्ठी में विशेषज्ञों की राय – संस्थागत वित्तीय ढाँचे के माध्यम से कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को गति**

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। कृषि क्षेत्र में सरकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही मज़बूत और स्थिर बाज़ार व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक है। उत्पादन स्तर, अधिशेष तथा कमी से संबंधित बाज़ार संकेत सदियों से कृषि प्रणाली का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। इसलिए कृषि विकास की कुंजी के रूप में बाज़ारों की स्थिरता को माना जाता है। यह मत 'ट्रस्ट इंजन' विषयक संगोष्ठी में व्यक्त किया गया, जिसका उद्देश्य संस्थागत वित्तीय ढाँचे के माध्यम से कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग को गति देना है।

यह संगोष्ठी 'महाराष्ट्र कृषि-कृत्रिम बुद्धिमत्ता नीति 2025-2029' के अंतर्गत आयोजित 'वैश्विक कृषि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन एवं निवेशक शिखर बैठक (2026)' का हिस्सा थी। संगोष्ठी में सह्याद्री फ़ार्म्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विलास शिंदे, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के मुख्य महाप्रबंधक संजीव डी. रोहिल्ला, एक्यूमेन संस्था के सह-निदेशक (पोर्टफोलियो) पराग सभलोक, तथा नीदरलैंड्स दूतावास की कृषि परामर्शदाता श्रीमती मैरियन वैन शाइक उपस्थित रहे। संगोष्ठी का समन्वय खाद्य एवं कृषि संगठन के वरिष्ठ नीति सलाहकार रमन आहूजा ने किया। चर्चा का केंद्र कृषि एवं खाद्य प्रणालियों में सरकार की भूमिका, कुशल एवं सुदृढ़ बाज़ार की आवश्यकता तथा जोखिम प्रबंधन रहा।

दुनिया की लगभग आधी आबादी आजीविका के लिए कृषि-खाद्य प्रणाली पर निर्भर है, जो प्राकृतिक और आर्थिक जोखिमों से प्रभावित रहती है। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में ये जोखिम और बढ़ने की संभावना है। इसलिए जोखिम प्रबंधन के लिए नवाचारी वित्तीय तथा तकनीकी साधनों के विकास की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया। इस प्रक्रिया में सरकारी एजेंसियों, निवेशकों और उद्यमियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया।

चर्चा के दौरान विभिन्न देशों के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि केवल नीतिगत उपाय पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि पूरी मूल्य श्रृंखला में सोच और व्यवहार में बदलाव आवश्यक है। उद्यमशील दृष्टिकोण अपनाने, वित्तीय उत्पादों के पुनर्रचना तथा निवेश के लिए तैयारी पर बल दिया गया। बैंकिंग प्रणाली में अधिक सक्रिय और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण की आवश्यकता भी रेखांकित की गई। साथ ही यह भी कहा गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस परिवर्तन को गति दे सकती है, परंतु डिजिटल और भौतिक–दोनों माध्यमों का समन्वय आवश्यक है; मानवीय संपर्क और प्रत्यक्ष संवाद का महत्व बना रहेगा।

**नीदरलैंड्स का कृषि नवाचार मॉडल – भारत के लिए मार्गदर्शक**

नीदरलैंड्स में सरकार, निजी क्षेत्र और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग से कृषि क्षेत्र में प्रभावी परिणाम सामने आए हैं। अलग-अलग खाँचों में काम करने के बजाय सामूहिक प्रयासों से तकनीक का तेज़ और प्रभावी प्रसार हुआ है। उत्पादक, परिवहन-लॉजिस्टिक्स, बैंक और उपभोक्ताओं को एक साथ जोड़ने वाला हब मॉडल वहाँ सफलतापूर्वक लागू है। अनुसंधान एवं विकास को सरकार, क्षेत्रीय प्रशासन और निजी निवेशकों द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। यूरोपीय संघ की होराइज़न यूरोप जैसी पहलें नवाचारों को बड़े पैमाने पर लागू करने में सहायता करती हैं। भौगोलिक और जलवायु भिन्नताओं के बावजूद, सार्वजनिक-निजी साझेदारी और नवाचार केंद्रों का मॉडल भारत में भी प्रभावी हो सकता है–यह मत श्रीमती मैरियन वैन शाइक ने व्यक्त किया।

**कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपनाने के लिए ठोस प्रमाण आवश्यक**

पिछले पंद्रह वर्षों में लगभग तीस हज़ार बागवानी किसानों के साथ काम करते हुए टपक सिंचाई, छिड़काव यंत्र तथा इंटरनेट आधारित उपकरण जैसे अनेक समाधान प्रसारित किए गए। कुछ किसानों ने इन्हें अपनाया, जबकि कई अभी भी सतर्क हैं। इस अवसर पर विलास शिंदे ने कहा कि जब तक यह स्पष्ट न हो जाए कि कोई तकनीक उत्पादन बढ़ाती है, लागत और जोखिम घटाती है तथा बिक्री में अधिक लाभ देती है, तब तक किसान उसमें निवेश करने को तैयार नहीं होते। केवल कंपनियों के दावे पर्याप्त नहीं होते; वास्तविक सफल किसानों के उदाहरण और सहकर्मी प्रमाणन अधिक प्रभावी होते हैं। छोटे जोतधारकों के संदर्भ में सामान्य नीतियों के बजाय लक्षित समूहों में प्रदर्शन करना अधिक उपयोगी है।

# 'हिंद दी चादर' कार्यक्रम के अवसर पर 23 फरवरी को सामूहिक गायन;बनेगा विश्व रिकॉर्ड

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

कोकण क्षेत्र की लगभग 20,000 शैक्षणिक संस्थाएँ, 51 लाख विद्यार्थी तथा 1.5 लाख शिक्षक-कर्मचारी एक साथ होंगे सहभागी– कोकण विभागीय आयुक्त डॉ. सूर्यवंशी

नवी मुंबई। गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कोकण क्षेत्र की सभी शैक्षणिक संस्थाओं में 23 फरवरी को सुबह 9 बजे 'हिंद दी चादर' सामूहिक गीत गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस ऐतिहासिक पहल में कोकण क्षेत्र की लगभग 20 हजार शैक्षणिक संस्थाएँ, 51 लाख विद्यार्थी तथा 1.5 लाख शिक्षक एवं कर्मचारी एक साथ भाग लेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक दायित्व की भावना को सुदृढ़ करना है। कोकण विभागीय राजस्व आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने कोकण क्षेत्र की सभी शैक्षणिक संस्थाओं से इस पहल में बड़े पैमाने पर सहभाग करने की अपील की है।

**विश्व रिकॉर्ड में दर्ज होगा कार्यक्रम**

इस विशेष पहल को Best of India Records द्वारा मान्यता दी जाएगी। 'हिंद दी चादर' के अंतर्गत श्री गुरु तेग बहादुर जी की स्मृति में 28 फरवरी और 1 मार्च को ओवे मैदान, सेक्टर 29, खारघर में भव्य शहीदी समागम का आयोजन किया गया है। प्रसिद्ध गायक सरताज सिंह द्वारा गुरुजी के जीवन पर आधारित प्रेरणादायी गीत गाया गया है, जिसे 23 फरवरी को सुबह 9 बजे कोकण क्षेत्र की सभी शैक्षणिक संस्थाओं में एक साथ गाया जाएगा।

**प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन**

सामूहिक गायन के बाद श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और कार्य पर आधारित एक वैकल्पिक प्रतियोगी परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। डॉ. सूर्यवंशी ने अधिक से अधिक विद्यार्थियों से इस परीक्षा में भाग लेकर गुरुजी के त्याग और वीरता से प्रेरणा लेने की अपील की है। विभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने इस पहल की प्रभावी योजना हेतु सभी जिला कलेक्टरों, नगर आयुक्तों, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारियों तथा नगर मुख्य अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा, 'इस पहल के माध्यम से नई पीढ़ी को राष्ट्रीय एकता का संदेश मिलेगा। कोकण क्षेत्र के प्रत्येक विद्यार्थी और नागरिक को इस देशभक्ति के कार्य में सहभागी होना चाहिए।'

## कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल आधारभूत संरचना का उपयोग अनिवार्य- पशुपालन सचिव एन. रामास्वामी

मुंबई। पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग के सचिव एन. रामास्वामी ने कहा कि भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक स्तर पर विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए डिजिटल आधारभूत संरचना के रूप में 'ट्रेसबिलिटी (अनुसरणीयता) प्रणाली' को लागू करना आवश्यक है। वे 'महाराष्ट्र कृषि-कृत्रिम बुद्धिमत्ता नीति 2025-2029' के अंतर्गत आयोजित 'वैश्विक कृषि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन एवं निवेशक शिखर बैठक - एआई फॉर एग्री 2026' में 'कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत संरचना-कृत्रिम बुद्धिमत्ता' विषयक संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर ट्रस्ट ज़ीरो वन के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रबीर मिश्रा, सिंगापुर के 'आईआईएमडीए' के ट्रेड ट्रस्ट के उपनिदेशक चेंग केन वेई, बेटर कॉटन की भारत निदेशक श्रीमती ज्योति नारायण कपूर, जर्मन दूतावास के कृषि एवं खाद्य विभाग प्रमुख वोल्कर क्लिमा तथा रबर बोर्ड के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. वसंतगेसेन उपस्थित थे।

विशेषज्ञों ने इस बात पर बल दिया कि भारतीय कृषि उत्पादों को वैश्विक बाज़ार में स्थान दिलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परस्पर जुड़े मंच का निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्पादकता बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि करने और कृषि स्थिरता प्राप्त करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता परिवर्तन का प्रभावी साधन बन सकती है। परंतु एआई को अपनाना केवल तकनीकी नवाचारों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि मापनीय परिणामों और किसानों की प्रत्यक्ष आय वृद्धि पर भी आधारित होना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से कृषि उत्पादकता और आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। सामान्य तकनीकों के बजाय फसल-विशिष्ट और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान विकसित करने पर ज़ोर दिया गया। इसके लिए सरकार, निजी क्षेत्र, अनुसंधान संस्थानों और वित्तीय संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक बताया गया। ऋण उपलब्धता और मूल्य श्रृंखला की दक्षता के लिए डेटा-आधारित प्रणालियों का उपयोग महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों का मत था कि सार्वजनिक-निजी साझेदारी एक समेकित कृषि मूल्य श्रृंखला के निर्माण का प्रभावी माध्यम हो सकती है।

सभी वक्ताओं में इस बात पर व्यापक सहमति रही कि कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का व्यापक और टिकाऊ उपयोग एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण अपनाए बिना संभव नहीं है। संयुक्त अनुसंधान, संस्थागत सहयोग और दीर्घकालिक निवेश को विस्तार के लिए आवश्यक तत्व माना गया।

महाराष्ट्र की एआई-सक्षम कृषि नीति में जनसंख्या स्तर की डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत संरचना के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता बताई गई। वैश्विक व्यापार और स्थिरता के अनुरूप खुले तथा परस्पर संगत प्रणालियों की जरूरत पर बल दिया गया। डेटा सुरक्षा, वैधता और परस्पर कार्यसंगतता को इसके मूल स्तंभ बताया गया। इस सत्र का संचालन वैश्विक एआई रणनीतिकार विकास कानूनगो ने किया। विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने कृषि प्रौद्योगिकी में मौजूद चुनौतियों और अवसरों पर विस्तार से चर्चा की।

# महापारेषण की सहायक अभियंता (सिविल) परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संपन्न

## राज्य के 111 केंद्रों पर 15 हजार से अधिक अभ्यर्थियों की उपस्थिति

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी (महापारेषण) के अंतर्गत सहायक अभियंता (सिविल) पद हेतु आयोजित लिखित परीक्षा रविवार (दिनांक 22) को राज्य के 111 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। कुल 134 पदों के लिए आयोजित इस परीक्षा में 23,336 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 15,541 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

यह परीक्षा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक आयोजित की गई। मुंबई, पुणे, नागपुर, नाशिक, जलगांव, कोल्हापुर, अमरावती, लातूर, सोलापुर, सांगली, सातारा, चंद्रपुर सहित राज्य के विभिन्न केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। सभी केंद्रों पर आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी व्यवस्थाएँ की गई थीं। प्रवेश-पत्र एवं पहचान-पत्र की जाँच, सीसीटीवी निगरानी, वीडियोग्राफी तथा सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था लागू की गई थी। परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाए रखने हेतु केंद्र प्रमुखों और पर्यवेक्षकों ने विशेष सतर्कता बरती।

महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार (भा.प्र.से.) के नेतृत्व में तथा अपर जिलाधिकारी एवं कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) श्रीमती सुचिता भिकाने के मार्गदर्शन में परीक्षा का सुव्यवस्थित एवं सघन नियोजन किया गया था। संबंधित अधिकारियों ने केंद्रवार समीक्षा करते हुए परीक्षा प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूर्ण कराया। परीक्षा के दौरान 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, परीक्षा केंद्र में बिना अनुमति अनधिकृत प्रवेश तथा अभ्यर्थियों द्वारा लिखित सामग्री या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को साथ रखने पर पूर्ण प्रतिबंध था। पर्याप्त पुलिस बंदोबस्त के कारण कोई भी अनुचित घटना नहीं घटी। महापारेषण के अनुसार, पूरे राज्य में परीक्षा पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की उपस्थिति के बावजूद सुदृढ़ नियोजन के चलते परीक्षा निर्बाध रही। भर्ती प्रक्रिया की यह महत्वपूर्ण कड़ी पूरी होने से अभ्यर्थियों में संतोष का वातावरण देखने को मिला।

# 'जीतने वाली सीट पर पहला हक हमारा', संजय राउत ने आदित्य ठाकरे का नाम आगे बढ़ाया

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने रविवार को पार्टी नेता आदित्य ठाकरे के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आने वाले राज्यसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की तरफ से जीतने वाली सीट पर उनकी पार्टी का 'पहला हक' है। इसका कारण यह है कि विपक्षी गठबंधन में उनके पास सबसे ज्यादा विधायक हैं।

कई नेताओं का खत्म हो रहा कार्यकाल

अप्रैल महीने में कई नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है। इनमें एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) की प्रियंका चतुर्वेदी, एनसीपी (एसपी) की फौजिया खान, आरपीआई (अठावले) के रामदास अठावले, बीजेपी के भागवत कराड, कांग्रेस की रजनी पाटिल और एनसीपी के धैर्यशील पाटिल शामिल हैं। विपक्ष के गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के पास विधायकों की संख्या कम है। इस वजह से वे संसद के ऊपरी सदन यानी राज्यसभा में अपना केवल एक ही उम्मीदवार भेज सकते हैं।

इस हफ्ते की शुरुआत में आदित्य ठाकरे ने कहा था कि विधानसभा में उनकी पार्टी की संख्या को देखते हुए राज्यसभा सीट पर उनका हक बनता है। पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि पार्टी के रुख में कोई बदलाव नहीं है। उन्होंने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) के पास 20 विधायक हैं, जो विपक्ष में सबसे ज्यादा हैं। कांग्रेस के पास 16 और एनसीपी (एसपी) के पास 10 विधायक हैं। इसलिए सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते पहला हक उनका है।

**शरद पवार पर क्या बोले राउत?**

शरद पवार को लेकर अपनी पिछली बातों पर सफाई देते हुए राउत ने कहा कि पवार एमवीए के बड़े नेता हैं और उन्होंने अपनी इच्छा जताई थी। हम सब मिलकर फैसला करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि शरद पवार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर अपनी उम्मीदवारी की घोषणा नहीं की है। राउत ने कहा कि एमवीए का नेतृत्व सही फैसला लेने में सक्षम है और लोगों को बेवजह तनाव नहीं लेना चाहिए।

**आदित्य ठाकरे दावे पर क्या बोले राउत?**

आदित्य ठाकरे के इस दावे का जिक्र करते हुए कि शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) से एक-एक उम्मीदवार चुना जा सकता है। इस पर राउत ने कहा कि आदित्य राजनीति और विधायी कामकाज को अच्छे से समझते हैं। उन्होंने कहा कि एक सांसद का चुना जाना तय है। इसके लिए 37 विधायकों के समर्थन की जरूरत होती है। अभी उनके पास 10 से 12 वोट ज्यादा हैं। दूसरा उम्मीदवार जिताने के लिए उन्हें 20-21 और वोटों की जरूरत होगी। अगर ऐसा होता है तो दो लोग चुने जा सकते हैं, लेकिन अभी एक सीट पक्की है और उस पर शिवसेना (यूबीटी) का दावा है।

चुनाव आयोग 16 मार्च को होने वाले सात राज्यसभा सीटों के लिए 26 फरवरी को अधिसूचना जारी करेगा। वहीं, सत्ताधारी महायुति गठबंधन (बीजेपी, शिंदे की शिवसेना और एनसीपी) के पास 232 विधायक हैं। वे आसानी से छह सीटें जीत सकते हैं।

# भास्कर जाधव बोले- सरकार की चाय पार्टी का बहिष्कार करेगा विपक्ष, भारत-यूएस समझौते का दिया हवाला

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता भास्कर जाधव ने कहा कि विपक्ष महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र की पूर्व संध्या पर आयोजित आयोजित चाय पार्टी का बहिष्कार करेगा। विधानसभा सत्र से पहले चाय पार्टी की परंपरा है, जिसे मुख्यमंत्री की ओर से आयोजित किया जाता है।

**भास्कर जाधव ने क्या कहा?**

उद्धव ठाकरे गुट के नेता भास्कर जाधव ने बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस कार्यक्रम के लिए वरिष्ठ सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखकर आमंत्रित किया था।

उन्होंने बताया कि विधानमंडल के सत्र से पहले चाय पार्टी आयोजित करना एक परंपरा है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष का रवैया अहंकारी है और विपक्ष के प्रति कोई सम्मान नहीं दिखाया जाता है। जाधव ने आरोप लगाया कि सम्मान, शिष्टाचार और संविधान का कोई पालन नहीं हो रहा है। इसलिए हमने इस निमंत्रण को अस्वीकार करने का फैसला लिया है।

**भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर क्या कहा?**

उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की आलोचना भी की। जाधव ने कहा कि यह समझौता राज्य के कपास उत्पादकों और मछुआरों के लिए नुकसानदेह होगा। फडणवीस सरकार ने केंद्र के इस फैसले पर कोई अफसोस नहीं जताया है, इसलिए हमने

चाय पार्टी के बहिष्कार का फैसला लिया है।

**'विमान हादसे पर महाराष्ट्र सरकार का अस्पष्ट रुख'**

उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष ने निमंत्रण इसलिए ठुकराया क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने अजित पवार के विमान दुर्घटना में निधन के मामले पर 'स्पष्ट रुख' नहीं अपनाया। जाधव ने मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के लागू करने के तरीके की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं को बिना जांच के हर महीने 1,500 रुपये दिए गए और 'वोट खरीदे गए'। बाद में 50 लाख से अधिक महिलाओं को छोटी-छोटी वजहों से अपात्र घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अब कई महिलाओं को भत्ता नहीं मिलेगा क्योंकि उन्होंने ई-केवाईसी पूरा नहीं किया है।

**कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने क्या कहा?**

वहीं, कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि यवतमाल में 22 किसानों ने आत्महत्या की, जबकि मराठवाड़ा क्षेत्र में 76 किसानों ने जान दी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इस पर कुछ नहीं किया।

उन्होंने दावोस में हुए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में हुए समझौतों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिन कंपनियों के साथ समझौते हुए, उनमें से कई पहले से महाराष्ट्र में ही हैं और कुछ के पास पर्याप्त पूंजी भी नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मामले में श्वेत पत्र की मांग करेगा।

वडेट्टीवार ने पूछा कि अगर महाराष्ट्र में इतना बड़ा निवेश आ रहा है, तो सरकार लाडकी बहिन योजना की राशि 1,500 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये क्यों नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, दिसंबर से महाराष्ट्र ने केंद्र सरकार से 29 हजार करोड़ रुपये मांगे हैं, लेकिन अभी तक नहीं मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की तुलना में गुजरात को ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि नागपुर के पास करीब 600 एकड़ आरक्षित वन भूमि अदाणी समूह को एक लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से लीज पर दी गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व के पास खनन परियोजना की अनुमति दी है। उन्होंने कहा, जब महा विकास आघाड़ी सत्ता में थी, तब उसने इस फैसले का विरोध किया था और अनुमति नहीं दी थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र में 1,57,000 महिलाएं और लड़कियां गुमशुदा हैं।

# खेती को आसान बनाने के लिए स्थानीय भाषाओं में आवाज़ आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपयोगी– नंदन नीलेकणी

मुंबई।कृत्रिम बुद्धिमत्ता कृषि क्षेत्र के लिए एक परिवर्तनकारी साधन है, जो निर्णय प्रक्रिया को बेहतर बनाने, उत्पादकता बढ़ाने और किसानों को सेवाएँ अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने में सक्षम है। इन्फोसिस के सह-संस्थापक तथा आधार कार्ड परियोजना के प्रमुख प्रेरक नंदन नीलेकणी ने कहा कि राज्य के सभी हिस्सों में किसानों के लिए खेती को सरल बनाने हेतु स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध आवाज़-आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

'महाराष्ट्र कृषि-कृत्रिम बुद्धिमत्ता नीति 2025-2029' के अंतर्गत जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन एवं निवेशक शिखर बैठक (एआई फॉर एग्री 2026)' में कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उत्तरदायी उपयोग विषयक कार्यक्रम में वे बोल रहे थे।

इस संगोष्ठी में नंदन नीलेकणी के साथ मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक परमेश्वरन अय्यर, डिजिटल एफएओ के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी देजान याकोवेविक, विश्व आर्थिक मंच के सी4आई इंडिया के मुख्य सलाहकार जे. सत्यनारायण, अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष के तकनीकी विधि सलाहकार बेंद्र गुंडे तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की आवासीय सलाहकार डॉ. एंजेला लुसीगी उपस्थित थीं।

नंदन नीलेकणी ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महाराष्ट्र की अग्रणी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से कृषि क्षेत्र में बड़े परिवर्तन हो रहे हैं। 'लार्ज लैंग्वेज मॉडल' के माध्यम से किसानों को जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं को समझे बिना सीधे और उपयोगी उत्तर मिल सकते हैं। इथियोपिया के उदाहरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस तकनीक के माध्यम से डेयरी सहकारी जैसी बड़ी परियोजनाएँ भी कम समय में पूरी की जा सकती हैं।

'महा विस्तार' जैसी पहलों के माध्यम से महाराष्ट्र कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग में अग्रणी राज्यों में उभर रहा है। आधार जैसी डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत संरचना और विभिन्न डेटा मंच इस एआई अपनाने के लिए मजबूत आधार प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छोटे और महिला किसानों को सहयोग देने वाले समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने प्रशासनिक कार्यों में एआई के उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई की सहायता से किसानों की छात्रवृत्ति या सहायता योजनाओं के लिए पात्रता की जाँच आसान हो गई है। बैंक खातों में सीधे धन अंतरण की प्रक्रिया भी तेज हुई है। किसान अपने घर से ही अपनी भाषा में मौसम, मिट्टी की स्थिति और फसल प्रबंधन से संबंधित सटीक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि सूचना के अधिकार के अंतर्गत उपलब्ध आँकड़ों को अधिक सुलभ बनाकर नवउद्यमों के लिए नए अवसर प्रदान करना लक्ष्य है।

इस अवसर पर कहा गया कि महाराष्ट्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कृषि परिवर्तन में अग्रणी है। कृषि में एआई के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बहु-पक्षीय सहयोग आवश्यक है। वक्ताओं ने उत्तरदायी, नैतिक और समावेशी एआई ढाँचे के महत्व तथा दक्षता, पारदर्शिता और किसान-केंद्रित सेवाओं के सुधार में इसके प्रभावी उपयोग पर बल दिया। किसान-केंद्रित एआई कार्यक्रमों को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विस्तार देने की आवश्यकता व्यक्त की गई। एआई आधारित कृषि परिवर्तन के लिए वैश्विक साझेदारी को सुदृढ़ करने का संकल्प भी प्रकट किया गया।

## सम्पादकीय

# 'मोह के धागे' खोलती एक स्वेटर से शुरू हुई जीवन की अनकही कहानी, क्या सचमुच कुछ भी हमारा नहीं

गर्मी की दस्तक के साथ ही लोग अपने गर्म कपड़े संभालने लगते हैं, लेकिन ऐसा भी कोई व्यक्ति होता है, जो इस मामले में थोड़ी अलग संवेदना रखता है। वह अपना आधी बाजू का एक स्वेटर अपनी कमीजों की अलमारी में ही रख देता है। वह गर्मियों में भी दिखता रहता है, तो उसे मन ही मन सुकून मिलता है। दरअसल, एक दफा उसका यह स्वेटर ढूंढ़ने से भी नहीं मिला, तो वह बेचैन हो गया था और उसने सारा घर सिर पर उठा लिया। परिवार के सारे सदस्य ढूंढ़ने में लग गए। दो दिनों बाद बमुश्किल पलंग के नीचे बने दराज से मिला। तब से उस व्यक्ति ने इसे सर्दियों के कपड़ों के साथ संभाल कर रखना छोड़ दिया। अब ऐसा लगता है कि वह अपना यह खासमखास स्वेटर कभी नहीं छोड़ पाएगा, क्योंकि स्वेटर पहनते ही उसकी मधुर यादों की एक खिड़की खुल जाती है। एहसासों की गरमाहट महसूस करते-करते सालों-साल पीछे लौट जाता है। उसकी मां के जिन हाथों ने कभी यह स्वेटर बुना था, अचानक उसे सिर-माथे पर फिरते महसूस होते हैं। वह छात्र था, तो बुनते-बुनते उसकी मां उसकी पीठ पर लगा कर देखती कि नाप ठीक है न! कभी खेल रहा होता, तो आवाज लगा कर बुलाती और छाती से लगा कर स्वेटर की नाप जांच लेती।

हर किसी को अपनी पुरानी चीजों से जुड़ाव होता है। पुराना वाहन या पुरानी कलम ही क्यों न हो, उससे चलना या लिखना सहूलियत भरा लगता है। इसीलिए परीक्षार्थी अमूमन नए के बजाय पुरानी कलम लेकर ही परीक्षा के प्रश्नोत्तर लिखने में बेहतरी महसूस करते हैं। पुरानी कलम अंगुलियों पर बैठी होती है। कई छात्र मानते हैं कि पुराने-घिसे कपड़े पहन कर पढ़ाई करने में एकाग्रता बढ़ती है।

जीवन सिखाता है कि साजो-सामान और तामझाम जुड़ता रहेगा और खोता रहेगा। कुछ भी सदा के लिए संग नहीं रहेगा। कभी हम त्याग देंगे, कभी वह अलविदा कह देगा। शुरुआती दौर में, हर बिछड़ना दिल तोड़ता है, लेकिन समय के साथ समझ आता है कि हर किसी का आना किसी मकसद से होता है, कुछ सिखाने, कुछ आराम देने और कुछ मजबूत बनाने के लिए। हमेशा के लिए कुछ भी नहीं ठहरता, बस एक अध्याय या दौर की तरह आता है और अपना कर्म निभा कर चला जाता है। सीख मिलती है कि साथ यहीं तक था।

इस परम सत्य को दिल से स्वीकार करते ही गजब की शांति और सुकून का अनुभव होता है। जो मौजूदा दौर में हाथ में है, वही हाल-फिलहाल हमारा है। जो चला गया, छूट गया, नष्ट हो गया, मियाद पूरी कर गया, उसका हमारा नाता वहीं तक था। यही जीवन है- आना और जाना, मिलना और बिछुड़ना, और हर अदल-बदल पर खुद को थोड़ा समझाना, सांत्वना देना। कुदरत ने अनगिनत मिसालें पेश कर सिखाया है कि हर चीज का प्रारंभ और अंत निश्चित है। बिछुड़ने के बावजूद कुदरत ने जीवित रहने के हौसले से लैस रहने की प्रवृत्ति भी कूट-कूट कर भरी है।

सयाने लोग समझाते रहे हैं कि पूरा अस्तित्व, हर एक पल, उत्सव की तरह आनंदित करने योग्य है। इसलिए खुद को एक दौर या एक वस्तु विशेष तक सीमित या बांध कर न रखा जाए। जो व्यक्ति अपनेपन के मोह के धागे तोड़ कर स्वतंत्र भाव से जीने लगता है, वह किसी माया-बंधन में नहीं बंधता। जो होता है और हो रहा है, उसे सहर्ष गले लगा लिया जाए। अब तक जो पाया है, उसे भूल जाया जाए। अतीत को भूलने और उससे अलग होने के बाद पीछे मुड़-मुड़ कर देखना व्यर्थ है। वर्तमान में रहने की जरूरत है, क्योंकि जीवन परिवर्तन का ही नाम है। इसलिए नियंत्रित करने की कोशिश न ही की जाए। हर इंसान स्वयं में पूर्ण है। पूर्ण होने या बनने के लिए किसी और की आवश्यकता नहीं रहती। जो कुछ चाहिए, वह हरेक के भीतर ही है। इसे पहचानने वाला व्यक्ति शर्तिया समस्त बंधनों से मुक्त हो जाता है। कोई खोजा जाता है, वह अतिथि नहीं है, आतिथेय है। बाहर से हासिल नहीं करना, वह तो भीतर ही समाया है।

प्रभुत्व की चाह में विशाल और शक्तिशाली साम्राज्य स्थापित करने में तमाम देश और उद्योग घराने पीछे नहीं हटते। मिस्र, यूनान, ब्रिटिश समेत कई साम्राज्य और वैश्विक स्तर पर मशहूर कई कारोबारी दिग्गज दुनिया या बाजारों पर हावी रहे। फिर लापता भी हो गए। दूसरे शब्दों में, जीवन का भाव होना चाहिए कि 'जो हुआ वह अच्छा हुआ, जो हो रहा है, वह अच्छा हो रहा है। जो होगा, वह भी अच्छा होगा। तुम्हारा क्या गया, जो तुम रोते हो? तुम क्या लाए थे, जो तुमने खो दिया? तुमने क्या पैदा किया, जो नष्ट हो गया? वास्तविकता यही है कि तुमने जो पाया, यहीं से पाया। जो दिया, यहीं पर दिया। जो आज तुम्हारा है, कल किसी और का था, कल किसी और का हो जाएगा।' सृष्टि की इस नसीहत और नियम का बखान एक पुराने फिल्मी गीत के बोल क्या खूब करते हैं- 'ष्ठजो मिल गया उसी को मुकद्दर समझ लिया/ जो खो गया मैं उसको भुलाता चला गया/ गम और खुशी में फर्क न महसूस हो जहां/ मैं दिल को उस मुकाम पे लाता चला गया..।'

### दिल्ली से उठा डिजिटल युग का शंखनाद

# एआई महाशक्ति बनने की राह : शिक्षा नीति की अग्निपरीक्षा

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

दिल्ली में आयोजित हालिया एआई शिखर सम्मेलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब तकनीकी परिवर्तन का मात्र दर्शक नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता बनने की दिशा में अग्रसर है। राजधानी से उठा यह डिजिटल शंखनाद केवल एक आयोजन नहीं था, बल्कि भारत की भविष्य-दृष्टि का सार्वजनिक उद्घोष था। विश्व जिस तेजी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ओर बढ़ रहा है, उसमें भारत ने यह संकेत दे दिया है कि वह तकनीकी दौड़ में पीछे रहने वाला देश नहीं, बल्कि दिशा तय करने वाला राष्ट्र बनना चाहता है।

आज वैश्विक मंच पर एआई रणनीतिक शक्ति का प्रतीक बन चुका है। अमेरिका, चीन और यूरोपीय देश इस क्षेत्र में वर्चस्व की होड़ में हैं। ऐसे समय में भारत का आत्मविश्वास यह दर्शाता है कि देश की डिजिटल आधारभूत संरचना, नवाचार क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति अब परिपक्व हो चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया है, बल्कि वर्षों की योजनाबद्ध नीति और सतत प्रयासों का परिणाम है।

प्रधानमंत्री का दूरदर्शी नेतृत्व और तकनीकी आत्मनिर्भरता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'डिजिटल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों ने भारत में तकनीकी क्रांति की मजबूत नींव रखी है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन सरकारी सेवाएँ और स्टार्टअप संस्कृति ने आम नागरिक को तकनीक से जोड़ा है।

प्रधानमंत्री ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक केवल सुविधा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है। एआई शिखर सम्मेलन इसी विचारधारा का विस्तार है, जहाँ भारत आत्मविश्वास के साथ यह कह रहा है कि वह तकनीकी भविष्य का सहभागी ही नहीं, बल्कि निर्माता भी बनेगा।

एआई : विकास, सुशासन और समृद्धि का आधार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज केवल तकनीकी नवाचार नहीं रही, बल्कि विकास और सुशासन का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई रोगों की शीघ्र और सटीक पहचान में सहायक है। कृषि क्षेत्र में यह मौसम पूर्वानुमान, फसल आकलन और जोखिम प्रबंधन को बेहतर बना सकती है। उद्योगों में उत्पादन दक्षता और गुणवत्ता नियंत्रण को नई दिशा मिल रही है।

प्रशासनिक व्यवस्था में एआई आधारित निर्णय-प्रणाली पारदर्शिता, जवाबदेही और गति ला सकती है। यदि तकनीक का उपयोग जनहित में किया जाए, तो यह सामाजिक न्याय और आर्थिक समृद्धि-दोनों को सुदृढ़ कर सकती है।

शिक्षा : एआई युग की निर्णायक कसौटी

एआई की वास्तविक सफलता का निर्णायक आधार शिक्षा है। यदि शिक्षा प्रणाली समय के अनुरूप तैयार नहीं हुई, तो भारत तकनीक का उपभोक्ता बनकर रह जाएगा। किंतु यदि शिक्षा प्रणाली एआई-सक्षम बनी, तो भारतीय युवा सृजनकर्ता, नवाचारक और नेतृत्वकर्ता बन सकता है।

व्यक्तिगत शिक्षण, डेटा-आधारित मूल्यांकन, वर्चुअल प्रयोगशालाएँ और वैश्विक ज्ञान तक डिजिटल पहुँच-ये सभी शिक्षा को अधिक प्रभावी और समावेशी बना सकते हैं। इसके लिए शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम का अद्यतन और अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देना अनिवार्य है।

नई शिक्षा नीति 2020 : मजबूत आधार, पर नई चुनौती

नई शिक्षा नीति 2020 ने बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास और डिजिटल साक्षरता को प्राथमिकता देकर एक मजबूत आधार प्रदान किया है। विद्यालय स्तर पर कोडिंग की शुरुआत और उच्च शिक्षा में लचीलापन-ये दूरदर्शी कदम हैं।

परंतु एआई की तीव्र गति से होती प्रगति ने शिक्षा नीति के सामने नई चुनौती रख दी है। अब आवश्यकता है कि मशीन लर्निंग, डेटा विज्ञान और एआई नैतिकता को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं है; नैतिक दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व भी उतने ही आवश्यक हैं।

शिक्षा नीति की अग्निपरीक्षा : त्वरित अनुकूलन की आवश्यकता

यदि भारत को एआई महाशक्ति बनना है, तो शिक्षा नीति को स्थिर नहीं, बल्कि गतिशील बनाना होगा। विश्वविद्यालयों में एआई अनुसंधान को प्रोत्साहन, शिक्षकों का पुनर्प्रशिक्षण और उद्योग-शिक्षा सहयोग को मजबूत करना समय की मांग है।

एआई रोजगार के स्वरूप को बदलने वाला है। कई पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त होंगी, तो अनेक नई नौकरियाँ जन्म लेंगी। युवाओं को भविष्य के कौशलों से सुसज्जित करना केवल शैक्षणिक लक्ष्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है।

भाषा, समावेशन और राष्ट्र निर्माण

भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता है। एआई का विकास तभी सार्थक होगा जब हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं में तकनीकी सामग्री और संसाधन उपलब्ध हों। यदि तकनीक केवल अंग्रेज़ी तक सीमित रही, तो डिजिटल असमानता और गहरी होगी।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत को तकनीकी क्रांति से जोड़ना अनिवार्य है। भाषा-आधारित एआई समाधान समावेशन को मजबूत कर सकते हैं और 'सबका साथ, सबका विकास' के लक्ष्य को व्यवहारिक रूप दे सकते हैं।

अवसर, उत्तरदायित्व और नैतिक एआई

एआई का युग अवसरों से भरा है, परंतु यह उत्तरदायित्व भी मांगता है। डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत यदि नैतिक और मानवीय एआई का मॉडल प्रस्तुत करता है, तो वह विश्व को संतुलित तकनीकी दृष्टि दे सकता है।

तकनीकी शक्ति तभी सार्थक है, जब वह मानवीय मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे।

संकल्प से सिद्धि तक

दिल्ली से उठा संदेश स्पष्ट है-भारत तैयार है। नीति, नेतृत्व और नवाचार-तीनों स्तरों पर देश आगे बढ़ने को तत्पर है। एआई महाशक्ति बनने की राह स्पष्ट है, किंतु यह यात्रा शिक्षा नीति की अग्निपरीक्षा से होकर गुजरेगी।

आज आवश्यकता केवल तकनीकी निवेश की नहीं, बल्कि बौद्धिक निवेश की भी है। शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के त्रिकोण को सुदृढ़ किए बिना एआई में स्थायी नेतृत्व संभव नहीं।

भारत का एआई युग प्रारंभ हो चुका है। अब शिक्षा, नीति और राष्ट्र की सामूहिक चेतना को इसे सिद्धि तक पहुँचाना है। यदि यह संकल्प दृढ़ता से आगे बढ़ा, तो भारत न केवल तकनीकी महाशक्ति बनेगा, बल्कि नैतिक और मानवीय तकनीकी नेतृत्व का वैश्विक उदाहरण भी प्रस्तुत करेगा।

# अधूरे सामाजिक बदलाव की चुनौती कानून से आगे संकल्प और क्रांति की जरूरत

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक निर्देश से लोग रातोरात दो खेमों में बंट गए। अचानक सैकड़ों 'परीक्षक' सामने आ गए, जो हर किसी पर इस या उस पार होने के विकल्प के साथ प्रश्न खड़ा करने लगे। यों यह समस्या पानी के बुलबुले की तरह है, पर ऐसे परेशान करने वाले सवाल आगे नहीं आएंगे, इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता है। मूल समस्या तात्कालिकता में नहीं है। सामाजिक बदलाव के अधूरे सपने और आधे मन से प्रयास के कारण हम अपेक्षित सामाजिक रचना के लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए हैं। न अस्पृश्यता समाप्त हुई, न जातीय चेतना की जड़ें हिल पाईं। ऐसा क्यों हुआ, इसका उत्तर ही समाधान की राह बताता है। प्रत्येक समाज की अपनी यात्रा में कभी न कभी कठिन और कठोर प्रश्नों का सामना करना पड़ता है। तब उसके दो विकल्प होते हैं। पहला, उसे टालना और भविष्य पर छोड़ देना तथा उसका प्रत्यक्ष सामना करने से बच निकलना। यह अधिक प्रचलित रास्ता है। दूसरा, स्वतंत्रता और समानता के बुनियादी उसूलों को सामने रखकर उसका सामना करना। इतिहास ने साबित किया है कि दूसरा रास्ता ही फलदायी रहा है।

यहां अमेरिका की एक ऐतिहासिक घटना का उल्लेख उपयोगी है। वहां राजनीतिक रूप से प्रभावशाली, सामाजिक रूप से 'प्रतिष्ठित', आर्थिक रूप से संपन्न-सभी दास प्रथा से लाभान्वित थे। अमेरिका के तेरहवें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने जब इसे समाप्त करने का संकल्प लिया, तब उनके सामने विलक्षण स्थिति थी। उनके मंत्रिमंडल में एक भी अपवाद नहीं था, जिसके पास पचास-सौ दास नहीं हो। यहां तक कि अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थामस जैफरसन जो 'सभी मनुष्य बराबर हैं' के प्रवचनकर्ता थे, वे भी इस गैरबराबरी के पोषक थे। भले ही तब लिंकन को पता नहीं था, पर इतिहास ने इस कड़वे सच से भी पर्दा उठा दिया। दोहरे चरित्र का यह चरम था।

लिंकन के सामने राजनीतिक विद्रोह और राष्ट्र के विघटन की चुनौती थी। आखिर गृहयुद्ध हुआ। दास प्रथा मिटी, राष्ट्र की एकता भी बची रही। गेटिसबर्ग में गृह युद्ध में मारे गए, लापता हुए लोगों के लिए बने स्मारक के उद्घाटन भाषण में 19 नवंबर 1863 को लिंकन ने इस सफलता का जो कारण बताया, वह लोकतंत्र की सर्वमान्य परिभाषा बन गई, 'जो सरकार जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए होती है, वह पृथ्वी से कभी नहीं मिट सकती है।'

इसका साफ संदेश था सामाजिक बदलाव के लिए संकल्प ही नहीं, मन को दृढ़ करने की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सामाजिक संरचना में परिवर्तन स्वतंत्रता, समानता के उद्घोषक जैफरसन के भाषणों से नहीं, लिंकन के साहस से हो पाया। भारत की सामाजिक परिस्थितियां और बुराइयां अमेरिका से भिन्न हैं। इसलिए यहां अमेरिका की तरह बदलाव राजनीतिक हस्तक्षेप से नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति से ही संभव है। पिछली शताब्दी के पचास-साठ के दशकों में राजनीतिक दलों ने जातिवाद को मिटाने का संकल्प दिखाया था। दीनदयाल उपाध्याय, राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण इसके बड़े नायकों में थे। दीनदयाल तो 1963 में जातिवाद के विरुद्ध अपने उद्गारों से जौनपुर की जीती हुई सीट हार गए।

तब और अब में एक चिंताजनक बदलाव हुआ है। उस काल में अस्पृश्यता और जातीय पहचान को राजनीति में नफा-नुकसान के अंदाज से कम देखा जाता था। इसलिए उस काल के राजनीतिक कार्यकर्ताओं में सर्वसमावेशी चरित्र की मात्रा अधिक थी। पर समकालीन भारत में गजब का विरोधाभास है। एक ओर आधुनिक संपन्नता और बहुत सारी जगहों पर विश्वविद्यालयों की चमचमाती बहुमंजिला इमारतें हैं, वहीं लोग 'जातीय चेतना' में गोलबंद हो रहे हैं। आखिर चूक कहां हुई? स्वतंत्रता के बाद अस्पृश्यता और

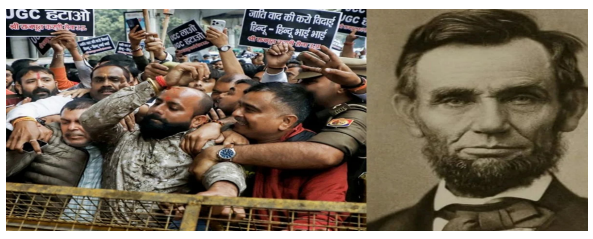




जातिवाद का हल संवैधानिक रास्ते से करने का प्रयास हुआ। इसने सामाजिक रास्ते से परिवर्तन के प्रयास का अर्थ-राजनीतिकरण कर दिया। परिणाम सामने है- 'नौ दिन चले, ढाई कोस'। कानून और अवसर की समानता की गारंटी सामाजिक सोच नहीं बदल पाती है, न ही शुद्ध सांस्कृतिक पहचान की स्थापना के द्वारा इसे बदला जा सकता है।

समस्या की जड़ में सामंती मानसिकता है, जो संविधान में घोषित समानता और भ्रातृत्व को जमीन पर उतरने नहीं देती है। स्वतंत्रता से पूर्व सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण ने निदान की राह खोली। आर्य समाज, प्रार्थना समाज, ब्रह्म समाज, सत्यशोधक समाज आदि सामाजिक समानता की चेतना जागृत करते रहे। चाल धीमी, पर प्रभावी थी। उन सबके द्वारा सामाजिक उन्नति को सुधार और सांस्कृतिक चेतना, दोनों के द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा था। महादेव गोविंद रानाडे का सामाजिक सुधार सम्मेलन शिक्षित और संपन्न लोगों को उस दलदल से निकाल रहा था। महात्मा गांधी ने 1933 में वर्धा के राम मंदिर से अस्पृश्यता के विरुद्ध अभियान शुरू किया, जो नौ महीने चला। गांधी को लगातार विरोध, प्रश्नों और कुतर्क पर आधारित विवादों का सामना करना पड़ा था। पर वे लक्ष्य के प्रति संकल्पित रहे। वह अंतिम सुनियोजित, सुविचारित और गैर-राजनीतिक प्रयास साबित हुआ।

सामाजिक प्रश्नों पर राजनीति का वर्चस्व अब एकाधिकार तक पहुंच गया है। परिणामतः विवेक और तर्क तथा दीर्घकालिक सोच का उपयोग समाप्त हो गया है। सामाजिक बुराइयों को सामाजिक संघर्ष का रूप देना राजनीति में उपयोगी हो गया। इसमें हर पक्ष की अपनी दलील और अपना स्वार्थ होता है। बाबा साहब आंबेडकर ने प्रश्न खड़ा किया था कि कांग्रेस, हिंदू महासभा, साम्यवादियों और साधु-संतों ने अस्पृश्यता समाप्त करने के लिए क्या किया है? अब इस प्रश्न की प्रासंगिकता और इसका दायरा, दोनों बढ़ गए हैं- 'हम सबने अस्पृश्यता और जातिवाद को मिटाने के लिए क्या किया है?'

समकालीन समाज तेजी से बदल रहा है। हर दिन अखबारों और डिजिटल माध्यमों में पीड़ा, असमानता और संघर्ष की खबरें आम हो गई हैं। आदिवासी अंचलों में विस्थापन, शहरों की ओर बढ़ता पलायन, शिक्षा से बाहर होते बच्चे और महिलाओं के साथ होती हिंसा- ये अब केवल घटनाएं नहीं, बल्कि आंकड़ों में दर्ज सच्चाइयां हैं। इन पर हम दुख व्यक्त करते हैं, सहानुभूति जताते हैं, लेकिन हमारा सामाजिक आचरण अक्सर वहीं ठहर जाता है।

# गांव से दिखा एआइ समिट का चमकता मंच

# क्या भारत का 'सुनहरा सपना' जमीनी हकीकत से कटा हुआ है

यह लेख एक गांव में बैठकर लिख रही हूं। यहां से देखा मैंने पिछले सप्ताह दिल्ली में हो रहे एआइ समिट का तामझाम। सच पूछिए तो अजीब-सा लगा। यहां बैठकर जब समाचार चैनलों पर सुने मैंने एआइ के महारथियों के भाषण, तो लगा जैसे ये लोग किसी दूसरे ग्रह से बातें कर रहे थे। ऐसा लगा जैसे इन महारथियों को जानकारी नहीं है कि भारत के सरकारी स्कूलों का हाल क्या है। जानते नहीं हैं कि अभी तक इन स्कूलों में कंप्यूटर भी इतने थोड़े आए हैं कि इंटरनेट से वास्ता जोड़ना हो, तो सेलफोन से होता है।

यह गांव महाराष्ट्र में है। यहां एक बड़ा निजी स्कूल ऐसा है, जिसको सरकारी स्कूलों के हिसाब से देखा जाए, तो काफी अच्छा है। यहां थोड़ी बहुत फीस लगती है, लेकिन अध्यापक आते हैं रोज और बच्चों को वाणिज्य और विज्ञान से लेकर साहित्य तथा अंग्रेजी भाषा तक पढ़ाने का इंतजाम है। बच्चे अच्छी-सी वर्दी पहन कर आते हैं साइकिलों पर। लड़कियों की वर्दी है नीली कमीज, सफेद सलवार और बालों में लाल रंग के फीते। लड़कों की वर्दियां विदेशी पैंट-शर्ट हैं, वही नीले सफेद रंगों में।

मैं इस गांव में आती रही हूं पिछले कोई तीन दशकों से, इसलिए जानती हूं कई लोगों को, जिनकी पढ़ाई इस स्कूल में हुई है। लिख-पढ़ लेते हैं सब, लेकिन इतना नहीं कि कोई अच्छी नौकरी हासिल कर सकें। इसलिए मुंबई से यहां बसे धनवानों के घरों में नौकर बनते हैं। कोई ड्राइवर है, कोई सुरक्षा गार्ड का काम करता है और बहुत तरक्की जो करते हैं, उनको मैनेजर या 'हाउसकीपर' की नौकरी मिलती है। इनमें से एक भी नहीं मिला है मुझे जो अंग्रेजी बोल सकता हो या बुनियादी गणित से आगे बढ़ चुका हो। कंप्यूटर की समझ है, लेकिन एआइ के बारे में कोई नहीं जानता है। यहां गरीबों की बस्ती में एक दूसरा स्कूल है, जहां बच्चे नंगे पांव आते हैं स्कूल में घिसे, पुराने कपड़ों में। स्कूल को एक पुराने किस्म के सरकारी बंगले में बनाया गया है, जिसकी छत में से बरसात के मौसम में पानी इतना गिरता है कि स्कूल को बंद किया जाता है इस मौसम में। यहां दो अध्यापकों के आने का इंतजाम है, लेकिन वे आती हैं इस गांव से कई किलोमीटर दूर एक छोटे शहर से।

देहात के हिसाब से इनका वेतन अच्छा है, लेकिन पढ़ाने तभी आती हैं, जब आना जरूरी हो। जब चुनाव होते हैं, तो इनकी ड्यूटी कहीं और लग जाती है। बच्चों की पढ़ाई में जो नुकसान होता है, इसकी कोई परवाह नहीं करता है। यहां जो बच्चे पढ़ने आते हैं, उनके माता-पिता इतने गरीब हैं कि इनके झुग्गीनुमा घरों में कोई सुविधा नहीं होती है बिजली-पानी की। समंदर किनारे इस गांव की तस्वीर को मैंने आपके लिए विस्तार से खींचा है, इसलिए कि ऐसे गांव भारत के हर राज्य में आपको मिलेंगे। महाराष्ट्र भारत के विकसित राज्यों में गिना जाता है, तो आप कल्पना कीजिए कि बिहार और उत्तर प्रदेश में क्या हाल होता होगा गांवों के सरकारी स्कूलों का। स्वास्थ्य सेवाएं इस गांव में न होने के बराबर है। एक कस्बा है कुछ दूरी पर जहां मरीजों को ले जाया जाता है, लेकिन बीमारी गंभीर हो तो कम से कम तीस किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। बहुत गंभीर हो तो मुंबई जाना पड़ता है, जो इस गांव से सौ किलोमीटर दूर है। एआइ के विशेषज्ञ कहते हैं कि शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में एआइ बहुत काम आएगा। यह बात सच भी है।

पिछले सप्ताह मेरे घुटने में थोड़ी तकलीफ थी, तो मैंने चैटजीपीटी से सलाह ली और बड़े ध्यान से उसने मेरी तकलीफ के बारे में जानकारी ली तथा इलाज बताया। घुटना ठीक हो गया है मेरा बिना डाक्टर से सलाह लेने के। मेरी जानकारी के कई लोग हैं, जो छोटा-मोटा इलाज करवाना हो, तो चैटजीपीटी से करवा लेते हैं। यानी एआइ वास्तव में अपने देश के देहातों में कई लाभ ला सकता है। समस्या यह है कि एआइ को चलाने के लिए बिजली बहुत चाहिए होती है और अपने देहातों में बिजली आती-जाती है अपनी मर्जी से।

इसलिए इस गांव में बैठकर जब मैंने देखे एआइ इम्पैक्ट समिट के दृश्य, जिनमें अपने प्रधानमंत्री को देखा दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं से गले मिलते हुए, तो बहुत अच्छा लगा। और भी अच्छा लगा जब देश के सबसे प्रसिद्ध पत्रकार भी इस सम्मेलन में दिखे। वे न होते, तो शायद गलगोटिया विश्वविद्यालय का वह झूठ न पकड़ा जाता, जिसमें एक चीन में बनाए हुए रोबोट कुत्ते को विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने अपने छात्रों का बनाया हुआ बताने की कोशिश की।

इन पत्रकारों में से कुछ ऐसे भी हैं, जो चुनावों के मौसम में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में घूमने आते हैं, लेकिन अजीब समस्या हमारी यह है कि हम जब वापस दिल्ली और मुंबई जाते हैं, तो भूल जाते हैं कि जब तक शहरी इंडिया और ग्रामीण भारत के तार जोड़ने का काम नहीं होता है, तब तक एआइ बेमतलब रहेगा, बिल्कुल वैसे जैसे 2047 तक भारत का विकसित होना बेमतलब लगता है।

सुनहरा सपना है, लेकिन देश के यथार्थ से बहुत दूर लगता है इस गांव से। जब देखती हूं मुंबई और दिल्ली में होते इस तरह के सम्मेलनों को, तो वास्तव में ऐसा लगता है जैसे किसी दूसरे ग्रह के नजारे देख रही हूं। इसलिए दिल से उम्मीद करती हूं कि एआइ जल्दी से जल्दी भारत के देहातों में फैले, ताकि हम उन बुनियादी समस्याओं का समाधान ढूंढ़ पाएं, जो मानव बुद्धि से सुलझे नहीं हैं अभी तक। बदहाल शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याएं। बिजली, पानी की समस्याएं। गरीबी, गंदगी की समस्याएं। क्या एआइ इन सारी समस्याओं के समाधान ढूंढ़ सकेगा? ऐसे सवाल मन में आते रहे एआइ सम्मेलन को दूर से देखते समय।

कृत्रिम मेधा (एआइ) का दौर शुरू हो चुका है। यह सच है कि एआइ मानव क्षमताओं और उत्पादकता को कई गुना बढ़ा देगा। भारत के पास मानव संसाधनों की विशाल और लगातार बढ़ती संपदा है (कम से कम 2050 तक)। हालांकि, इसकी गुणवत्ता विकसित देशों के मानव संसाधनों से काफी अलग है। एक विकसित देश में व्यावहारिक रूप से हर कोई स्कूली शिक्षा प्राप्त करता है और विद्यार्थियों की आबादी का एक बड़ा हिस्सा कालेज तक की शिक्षा ग्रहण करता है। वहां जीवन भर सीखने और नए कौशल हासिल करने का अवसर होता है। भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश के साथ इसका बोझ भी आता है।

# 'मैं जीना चाहता हूं, लेकिन बेबस हूं' शिक्षक ने मौत से पहले छोड़ा सुसाइड नोट, बीएसए पर गंभीर आरोप

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गोरखपुर के गुलरिहा थाना क्षेत्र में एक शिक्षक की कथित आत्महत्या ने शिक्षा विभाग में हलचल मचा दी है। 37 वर्षीय कृष्ण मोहन सिंह ने मौत से पहले एक वीडियो संदेश और चार पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें उन्होंने देवरिया के बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय पर उत्पीड़न और आर्थिक शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं।

पुलिस के अनुसार, कुशीनगर निवासी कृष्ण मोहन सिंह गुलरिहा में अपने बड़े भाई के घर परिवार सहित रहते थे। उनकी तैनाती देवरिया जिले के गौरी बाजार विकास खंड के एक प्राथमिक विद्यालय में थी। शनिवार सुबह उनका शव कमरे में छत के पंखे से लटका मिला।

पुलिस ने बताया कि बरामद वीडियो संदेश में सिंह ने दावा किया है कि एक कथित जांच से बचने के लिए उन्होंने लगभग एक लाख रुपये दिए थे और इसके लिए बीएसए कार्यालय के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। वीडियो में उन्होंने कहा, 'मैं अपने बच्चों और पत्नी के लिए जीना चाहता हूं, लेकिन मैं बेबस हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी जेब में एक सुसाइड नोट है, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, नोट में आरोप लगाया गया है कि सिंह और दो अन्य शिक्षकों से 'पहले की एक जांच से जुड़े मामलों को निपटाने' के लिए 20 लाख रुपये प्रति व्यक्ति की मांग की गई थी। सिंह ने दावा किया कि यह रकम किश्तों में दी गई, जिसमें गहने गिरवी रखने और रिश्तेदारों से उधार लेने जैसी बातें शामिल थीं।

शिक्षक की पत्नी की शिकायत पर बीएसए शालिनी श्रीवास्तव, एक लिपिक और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक (नगर) अभिनव त्यागी ने बताया कि वीडियो और सुसाइड नोट जब्त कर लिए गए हैं और मामले की जांच जारी है।

देवरिया में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने मामले का संज्ञान लेते हुए एक लिपिक को निलंबित कर दिया है और तीन सदस्यीय जांच दल का गठन किया है। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि उनकी अध्यक्षता में गठित टीम में एसडीएम (सदर) और जिला विद्यालय निरीक्षक सदस्य हैं। टीम बिंदुवार जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्ष का इंतजार है, जो इस पूरे मामले की सच्चाई सामने लाएंगे।

### मायावती की बसपा कार्यकर्ताओं को नसीहत

# 'गुलाम मानसिकता वाले बिकाऊ' लोगों से सावधान रहें कार्यकर्ता

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को अपने कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि वे ''गुलाम मानसिकता'' वाले ''बिकाऊ लोगों'' से सावधान रहें। मायावती ने पार्टी की अखिल भारतीय बैठक में संगठन को मजबूत बनाने व सर्वसमाज में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ''बहुजन समाज के उत्थान के बजाय, अपने थोड़े से स्वार्थ के लिए कार्य करने वाले गुलाम मानसिकता व बिकाऊ लोगों से सावधान रहें। ऐसे लोग बसपा के कारण ही आगे बढ़े। वे जब बसपा के नहीं हुये तो वे समाज के सच्चे हितैषी कैसे हो सकते हैं? ऐसे लोगों तथा उन्हें शरण देने वाली पार्टियों से भी अति सावधानी जरूरी है।'' माना जा रहा है कि मायावती का यह परोक्ष निशाना कभी सबसे करीबी सहयोगी रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी पर था जो हाल में ही समाजवादी पार्टी में शामिल हुए हैं।

मायावती ने बैठक में विरोधी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन पार्टियों की सरकारों की गरीब, किसान और बहुजन विरोधी, संकीर्ण, शोषणकारी और द्वेष पूर्ण नीतियों और भ्रष्ट क्रियाकलापों तथा कथनी एवं करनी में अंतर के कारण वे अपनी विश्वसनीयता तेजी से खो रहे हैं, लिहाजा बसपा से जनता की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

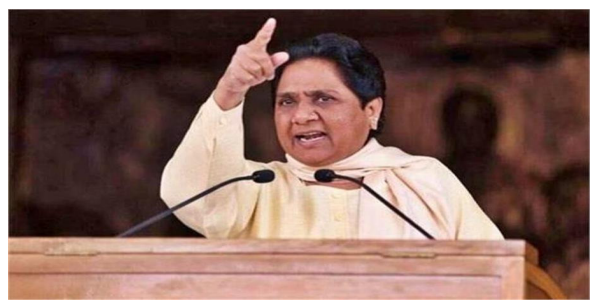

बसपा प्रमुख ने कहा कि पार्टी जैसे-जैसे और जहां-जहां मजबूत होती जाएगी, विरोधियों के षडयंत्र भी लगातार बढ़ते जाएंगे, जिसका डट कर सामना करते हुये कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ते रहना है और अपने पैरों पर खड़ा होने के लिये सत्ता की 'मास्टर चाबी' प्राप्त करने का लक्ष्य प्राप्त करना है। मायावती ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर देश में उभरी चिन्ताओं का जिक्र करते हुए कहा कि कई देशों द्वारा अपने आपको 'फर्स्ट' बनाने हेतु जो गला काट प्रतिस्पर्धा जारी है उसने शोषणकारी विश्व व्यवस्था को और गहरे संकट में डाल दिया है।

उन्होंने कहा, ''ऐसे में भारत सरकार के सामने खासकर देश के किसानों सहित बहुजनों के हित व भविष्य को सुरक्षित रखने की बड़ी चुनौती है। भारत ने अपनी शर्तों के आधार पर व्यापार समझौते किये हैं, यह केवल सरकारी दावा नहीं बल्कि हकीकत हो तो यह बेहतर।

# 'शंकराचार्य का अपमान किया, 2027 में जनता उखाड़ फेंकेगी भाजपा की सरकार'

### अखिलेश यादव का योगी सरकार पर तीखा वार

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने झांसी दौरे के दौरान योगी सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने सरकार पर विपक्षी नेताओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने और संत समाज के अपमान का गंभीर आरोप लगाया। अखिलेश ने स्पष्ट कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विनाशकारी नीतियों का जवाब जनता 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर करके देगी। अखिलेश यादव ने प्रयागराज माघ मेले की घटनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार शंकराचार्य जी से प्रमाण पत्र मांगकर उन्हें अपमानित कर रहे हैं। यदि कोई गलती हुई है, तो माफी मांगनी चाहिए। माफी मांगना साहस का काम है। उन्होंने आरोप लगाया कि माघ मेले में बटुकों की शिखा खींचकर उन्हें अपमानित किया गया। इस दौरान उन्होंने उपमुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए पूछा कि जब यह सब हो रहा था, तब वे कहां थे? अपनी और राहुल गांधी की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए अखिलेश ने कहा कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए सुरक्षा घटाई जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी एनएसजी सुरक्षा बिना किसी ठोस कारण के हटा ली गई। साथ ही राहुल गांधी की एसपीजी सुरक्षा हटाने को भी उन्होंने राजनीतिक द्वेष करार दिया। सरकार को बताना चाहिए कि किस रिपोर्ट के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्रियों की सुरक्षा में कटौती की जा रही है। अखिलेश ने बुलडोजर कार्रवाई पर भी कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि बुलडोजर के नाम पर कानून और संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार जिस तरह सबका अपमान कर रही है, उसका अंजाम उन्हें 2027 में भुगतना होगा।

### ना भाषा की दीवार, ना सरहद का पहरा!

### फिरोजाबाद की गलियों में गूंजी जर्मन शहनाई

## विदेशी दूल्हे ने साफे में लिए सात फेरे

लखनऊ **(एजेंसी)**। इश्क न सरहद देखता है और न ही भाषा! उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में एक ऐसी ही अनोखी प्रेम कहानी मुकम्मल हुई। जहां जर्मनी से आए दूल्हे गुस्ताव ने शिकोहाबाद की बेटी खुशी के साथ हिंदू रीति-रिवाज से शादी रचाई। विदेशी दूल्हे ने न सिर्फ शेरवानी और साफा पहना, बल्कि हाथों में दुल्हन के नाम की मेहंदी लगाकर भारतीय परंपरा का मान भी बढ़ाया।

इस अंतरराष्ट्रीय जोड़ी की मुलाकात किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। साल 2023 में गुस्ताव भारत घूमने आए थे। जयपुर के एक होटल में उनकी मुलाकात खुशी से हुई, जो उस वक्त स्विमिंग पूल में तैराकी सीख रही थीं। खुशी जयपुर की एक जर्मन कंपनी में काम करती हैं। पहली मुलाकात के बाद दोनों के बीच बातचीत बढ़ी, दोस्ती हुई और फिर दोनों ने जीवन भर साथ निभाने का फैसला कर लिया।

शादी में भाषा की दीवार न आए, इसके लिए खास इंतजाम किए गए थे। चूंकि गुस्ताव और उनके परिवार को हिंदी नहीं आती थी, इसलिए विवाह स्थल पर 4 ट्रांसलेटर (अनुवादक) तैनात किए गए थे। पंडित जी के मंत्रों और शादी की रस्मों का मतलब विदेशी मेहमानों को अंग्रेजी और जर्मन में समझाया गया, ताकि वे इस पवित्र बंधन की गहराई को समझ सकें।

जर्मनी से आए बाराती भारतीय संस्कृति को देखकर गदगद नजर आए। गुस्ताव ने शिकोहाबाद के लोगों की मेहमाननवाजी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं वाला देश है और यहां के लोगों का प्यार उन्हें हमेशा याद रहेगा। वरमाला से लेकर विदाई तक की हर रस्म में विदेशी मेहमानों ने बढ़-चढ़कर

### एआईएमआईएम प्रवक्ता ने दिया बड़ा बयान

# एआईशिखर सम्मेलन में कांग्रेस के विरोध पर छिड़ा सियासी संग्राम

लखनऊ **(एजेंसी)**। एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेस के विरोध मामले को लेकर सियासत गरमा गई है। इस मुद्दे पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता असीम वकार ने कांग्रेस का खुलकर समर्थन किया है। असीम वकार ने कहा कि कांग्रेस युवाओं का यह प्रदर्शन उन्हें महात्मा गांधी की याद दिलाता है। उन्होंने बयान में कहा, 'कांग्रेस के युवाओं का टॉपलेस प्रदर्शन बिल्कुल वैसा ही है जैसा कभी महात्मा गांधी ने अंग्रेजों की बर्बर और निर्मम सरकार के खिलाफ सिर्फ एक धोती में किया था।

उन्होंने प्रदर्शन का विरोध करने वालों पर भी निशाना साधा। उनका कहना था कि जो लोग यह कह रहे हैं कि प्रदर्शन की जगह सही नहीं थी या इसका विरोध कर रहे हैं, वे बीजेपी सरकार से डरे हुए हैं और सरकार की भाषा बोल रहे हैं। एआईएमआईएम प्रवक्ता ने प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सलाम पेश करते हुए कहा कि यह सरकार के खिलाफ आवाज उठाने का लोकतांत्रिक तरीका है।

इसके साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से भी अपील की कि वे खुद आगे आकर सरकार विरोधी प्रदर्शनों में हिस्सा लें और इंडिया गठबंधन की एकजुटता को मजबूत करें। इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बयानबाजी तेज हो गई है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सियासी घमासान और बढ़ने के आसार हैं।

गौरतलब है कि एआई समिट के दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को नयी दिल्ली स्थित 'भारत मंडपम' में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान एक प्रदर्शनी हॉल में पहुंचकर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए। इस घटना को लेकर कई विपक्षी दलों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में बाधा डालना सही नहीं है। यहां तक इंडिया गठबंन के सहयोगी रहे अखिलेश यादव ने इस घटना की कड़ी निंदा की है।

# जौनपुर कोर्ट को उड़ाने की धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार, प्रेमिका की शादी रोकने के लिए किया था मेल

लखनऊ। जौनपुर न्यायालय परिसर और पुलिस लाइन गेट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले युवक को एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विशाल रंजन आजमगढ़ का रहने वाला है। उसने वीपीएन और प्रॉक्सी सर्वर के जरिए कई फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर एक लाख रुपये की मांग की थी।

एटीएस के मुताबिक बीती 17 फरवरी को जिला न्यायाधीश के सरकारी ई-मेल पर पांच अलग-अलग आईडी से धमकी भरे संदेश भेजे गए थे। इसकी शिकायत के बाद मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसके बाद एटीएस आरोपियों की तलाश कर रही थी। उसके द्वारा जांच में आजमगढ़ के निजामाबाद स्थित बक्शपुर निवासी विशाल रंजन का सुराग मिला। एटीएस की टीम ने विशाल रंजन के आजमगढ़ के सिधारी स्थित किराए के मकान पर छापा मारा। उससे पूछताछ और कमरे की तलाशी में पांच मोबाइल और एक लैपटॉप बरामद हुआ।

मोबाइल फोन की जांच में 17 फरवरी को जिन ई-मेल आईडी का प्रयोग कर धमकी दी गयी थी, उन नामों से एवं अन्य अलग-अलग नामों लगभग 50 ई-मेल आईडी का पता चला। उसने आजमगढ़ रोडवेज डिपो को भी बम से उड़ाने का मैसेज तैयार किया था, जिसे परिवहन निगम की ई-मेल पर भेजने वाला था।

प्रेमिका की शादी रोकना था मकसद

पूछताछ में विशाल रंजन ने बताया कि वह जिस लड़की से प्यार करता था, उसकी शादी जौनपुर में तय हो गयी थी। शादी रोकने के लिए उसने प्रेमिका के मंगेतर की फर्जी आईडी बनाकर आपत्तिजनक पोस्ट की थी, जिसे बाद में पंचायत में उसे माफी मांगनी पड़ी थी। बदला लेने के लिए उसने वर पक्ष के गांव के कुछ युवकों के मोबाइल नंबर व नाम के साथ अपनी प्रेमिका के मंगेतर के नाम से भी फर्जी ई-मेल आईडी बनाई और धमकी भरा ई-मेल भेज दिया। उसका मकसद उन सभी लोगों को जेल भिजवा कर बदला लेना था।

# सीएम योगी बोलेः एआई के साथ डीप टेक का भी नेतृत्व करेगा यूपी, लखनऊ में शुरू हुआ IBM का नया सेंटर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी डीप टेक, एआई व क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। डिजिटल इंडिया, आयुष्मान भारत और डीबीटी की सफलताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री रविवार को राजधानी में स्थापित आईबीएम एआई गोवटेक इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग तथा आईबीएम के बीच हुए एमओयू के लिए आईबीएम इंडिया के सीईओ डॉ. अरविंद कृष्ण और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के इस इनीशिएटिव को आगे बढ़ाने के लिए स्वयं यहां आकर अपना सकारात्मक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष आईआईटी कानपुर में डीप टेक पर आधारित कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के दौरान आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर बात हुई। अब हम लोग मेडटेक पर मिलकर काम कर रहे हैं। यूपी के हालिया बजट में रोबोटिक्स में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। इससे पहले ड्रोन टेक्नोलॉजी के लिए भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए सरकार ने बजट में व्यवस्था की थी।

सीएम ने तकनीक और एआई टूल के उपयोग से इंसेफलाइटिस जैसे रोग के खत्म करने के अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने डाटा कलेक्ट करके विश्लेषण करके इस रोग को जड़ खत्म करने में सफलता पाई है। इसी तरह एजुकेशन में बच्चियों ड्रॉप आउट की समस्या की एआई टूल से विश्लेषण किया गया तो पता चला कि स्कूलों में शौचालय का न होना ही मूल समस्या है। इस पर सरकार ने हर स्कूल में बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग टॉयलेट और पेयजल की व्यवस्था करके स्कूलों में ड्रॉप आउट रेट को शून्य करने में सफल हुए हैं।

आईबीएम से कहा-करें हमारा सहयोग

सीएम ने लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित करने के संकल्प को दोहराते हुए इसमें आईबीएम से सहयोग की अपील भी की। उन्होंने कहा हमें क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए काम करना है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश की दावेदारी मजबूत है। क्योंकि देश का पहला कंप्यूटर आईबीएम ने ही कानपुर आईआईटी में स्थापित किया था। क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए आईआईटी कानपुर नोएडा वाले कैंपस में सहयोग करने को तैयार है। हम सहयोग करने को तैयार है। आईबीएम तैयार है। तीनों मिलकर इस पहल को आगे बढ़ाएंगे।

इस दौरान दौरान आईबीएम और यूपी सरकार के साथ दो समझौते हुए। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के साथ मिलकर यह सेंटर विभिन्न विभागों में एआई आधारित उपयोगों को विकसित करेगा और भिन्न-भिन्न विभागों में डिजिटल व एआई क्षमता को मजबूत करेगा। स्कूल शिक्षा निदेशालय के साथ मिलकर कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों और शिक्षकों के लिए एआई साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर आईबीएम के चेयरमैन अधिकारी अरविंद कृष्णा तथा साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल, आईआईटी कानपुर के निदेशक मनिन्द्र अग्रवाल मौजूद रहे।

# टीईटी अनिवार्यता को लेकर प्रदेश के शिक्षकों ने खोला मोर्चा, एक्स पर ट्रेंड हुआ 'जस्टिस फॉर टीचर'

लखनऊ। देश भर के प्राथमिक शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के विरोध में एक बार फिर आंदोलन शुरू हो गया है। इसके तहत टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर ''जस्टिस फॉर टीचर'' अभियान चलाया।

दोपहर दो से शाम चार बजे तक चलाए गए अभियान में लाखों शिक्षकों ने अपनी बात रखी। साथ ही इस मामले में केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय को आगे आकर जल्द प्रभावी कार्यवाही करने की मांग की। इसके लिए संसद से कानून पारित करने का भी मुद्दा उठाया। इसी क्रम में कल से शिक्षक काली पट्टी बांधकर पठन-पाठन का काम करेंगे।

टीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि देश के सभी राज्यों में आरटीई लागू होने के पूर्व राज्यों द्वारा निर्धारित अर्हता रखने वाले अभ्यर्थियों को ही शिक्षक पद पर नियुक्त किया गया है जोकि 25-30 वर्षों से शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

परन्तु आरटीई लागू होने के बाद शिक्षक पद पर नियुक्ति हेतु निर्धारित अर्हता उसके पूर्व में नियुक्त शिक्षकों पर थोपना सरासर अन्याय है। हम केंद्र सरकार से अनुरोध करते हैं कि संसद द्वारा कानून पारित कराकर इस अन्याय पर रोक लगाकर देश के लाखों शिक्षकों और उनके परिजनों को न्याय दिलाया जाये।

राष्ट्रपति को लिखेंगे पाती, निकालेंगे मशाल जुलूस

टीईटी आंदोलन को गति देने के लिए कई शिक्षक संगठनों ने राजधानी में बैठक कर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ का गठन किया। साथ ही राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को पाती लिखने से लेकर मशाल जुलूस निकालने की घोषणा की।

बैठक में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील पांडेय ने इस लड़ाई को सड़क से लेकर सदन तक लड़ने की बात कही। अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने कहा यह लड़ाई शिक्षकों के अस्तित्व की लडाई है। इसे हम हर मोर्चे पर लड़ेंगे।

बैठक में विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी व प्रदेश महासचिव दिलीप चौहान ने कहा कि शिक्षकों ने नियुक्ति के समय सभी योग्यताओं को पूरा करके नौकरी पाई है। ऐसे में अचानक से यह कहना हम टेट के बगैर पात्र नही है, पूर्णतया गलत है।

बैठक में प्रथम चरण में 9 से 15 मार्च तक शिक्षकों की पाती के नाम से ईमेल और पोस्टकार्ड अभियान चलाया जाएगा। इसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष को पत्र व मेल भेजेंगे। दूसरे चरण में जिलों में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। यदि सरकार फिर भी ना मानी तो 3 मई को लखनऊ घेराव और मानसून सत्र में हम सब मिलकर संसद भवन का घेराव करेंगे।

बैठक में टीएससीटी के संस्थापक अध्यक्ष विवेकानंद, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय मणि त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश बीटीसी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अपूर्व दीक्षित, अन्तर्जनपदीय स्थानांतरण शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश पांडेय, यूटा के प्रदेश महामंत्री डा. हेमंत सिंह, एससीएसटी के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार विद्रोही, माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा आदि उपस्थित थे।

# सपा प्रवक्ता मनोज यादव की जमानत अर्जी मंजूर, छेड़छाड़ और हत्या की धमकी का था आरोप

बाराबंकी। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मनोज यादव उर्फ बबलू की जमानत अर्जी अदालत ने स्वीकार कर ली है। पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश एससी एसटी कोर्ट नीतीश राय ने आरोपी को 75-75 हजार की दो जमानत दाखिल करने का आदेश दिया।

13 फरवरी को सफदरगंज थाना क्षेत्र की एक विधवा महिला से छेड़छाड़ और उसके पुत्र की हत्या की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने सपा प्रवक्ता मनोज यादव को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था।

इस कार्रवाई से एक दिन पहले ही मनोज यादव की पत्नी ने लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार थाने में उनके लापता होने की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

सुनवाई करते हुए अदालत ने अभियुक्त को जमानत पर छोड़े जाने की शर्तें लगाते हुए कहा की अभियुक्त विवेचना में सहयोग करेगा। सुनवाई के दौरान साक्ष्य से छेड़छाड़ नहीं करेंगे तथा अभियोजन पक्ष के गवाहों पर दबाव नहीं बनाएंगे। अब जेल में बंद सपा प्रवक्ता की रिहाई हो जाएगी।

# पेड़ से लटकते मिले प्रेमी युगल के शव, दोनों का काफी समय से चल रहा था प्रेम-प्रसंग

रायबरेली। प्रेमराजपुर पचखरा गांव के बाहर रविवार सुबह शिव बहादुर (26) और महिमा (20) का शव शीशम के पेड़ से लटकते मिले। शिव बहादुर का मफलर, जबकि महिमा का परदे के फंदे से शव लटक रहा था। खास बात ये थी कि युवक के दोनों पैर जमीन पर और युवती के दोनों पैर घुटनों के बल जमीन पर रखे हुए थे। प्रेमी युगल की मौत की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजीव कुमार सिन्हा व फोरेंसिक टीम ने मौके पहुंचकर जांच की। आसपास के लोगों से पूछताछ की। युवक के बड़े भाई रामबरन यादव ने घटना को हत्या बताते हुए जांच कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की। पृथमदृष्टया पुलिस घटना को खुदकुशी मान रही है। मिल एरिया थाना क्षेत्र के दोहरी गांव निवासी शिव बहादुर पुत्र गंगा प्रसाद टेंट हाऊस में काम करता था, जबकि खदरी गांव की महिमा (20) पुत्री रामसमुझ यादव कक्षा आठ की पढ़ाई करने के बाद घर पर ही रहती थी। दोनों के पिता खेती करते हैं। सुबह करीब छह बजे गांव के लोग बाग की तरफ गए तो देखा कि शीशम के पेड़ से युवक व युवती पेड़ की डाल से लटक रहे हैं।

तीन दिन से गायब था 21 वर्षीय रोशन पासवान

# खद्दान तालाब से मिला लापता युवक का शव, हत्या की आशंका से सनसनी..

## परिजनों ने जताया हत्या का शक - पोस्टमार्टम के लिए जे.जे. अस्पताल भेजा गया शव

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के भंडारी कंपाउंड स्थित 72 गाले इलाके से तीन दिन पहले लापता हुए 21 वर्षीय युवक रोशन पासवान का शव रविवार सुबह खद्दान के तालाब से बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव तालाब में फेंके जाने की आशंका जताई है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार रोशन पासवान पिछले तीन दिनों से लापता था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत स्थानीय पुलिस थाने में दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम तालाब में लगातार उसकी तलाश कर रही थी, लेकिन कोई सफलता नहीं मिल रही थी। रविवार सुबह तालाब में युवक का शव पानी की सतह पर दिखाई दिया। सूचना मिलते ही नारपोली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए आईजीएम अस्पताल भेजा गया।

सूत्रों के अनुसार रोशन पासवान कुछ दोस्तों के साथ तालाब में स्नान करने गया था। इसी दौरान उसके डूबने की बात सामने आई थी। साथ मौजूद दोस्तों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी थी, जिसके बाद से उसकी तलाश जारी थी। हालांकि मृतक के पिता रामचंद्र पासवान ने बेटे की मौत पर संदेह जताते हुए हत्या की आशंका व्यक्त की है। उन्होंने मांग की कि पोस्टमार्टम सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कराया जाए ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके। परिजनों की मांग पर पुलिस ने शव को आगे की प्रक्रिया के लिए मुंबई स्थित जे.जे. अस्पताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस युवक के दोस्तों से पूछताछ कर रही है और हादसा या साजिश दोनों पहलुओं से जांच की जा रही है। घटना के बाद भंडारी कंपाउंड और आसपास के इलाकों में दहशत और शोक का माहौल है। स्थानीय लोग भी युवक की मौत को संदिग्ध मानते हुए निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

## अजित पवार के विमान हादसे की पहली रिपोर्ट 28 फरवरी या उससे पहले जारी की जाएगी : मुरलीधर मोहोल

मुम्बई **(एजेंसी)**। केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री और पुणे के सांसद मुरलीधर मोहोल ने रविवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार की जान लेने वाले विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट 28 फरवरी को या उससे पहले जारी की जाएगी। पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे के निकट एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। यहां एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए मोहोल ने कहा, ''प्रारंभिक रिपोर्ट घटना के दिन से एक महीने के भीतर, 28 फरवरी को या उससे पहले जारी कर दी जाएगी।''

इस घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक और शरद पवार के भतीजे रोहित पवार ने कई संवाददाता सम्मेलन कर विमान कंपनी से जुड़ी कुछ अनियमितताओं और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों का दावा किया था। उन्होंने साजिश की भी आशंका जताई थी। शनिवार को कर्जत-जामखेड के विधायक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि दुर्घटना की जांच पूरी होने तक नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू को पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जाए। रोहित पवार ने पत्र में कहा, ''वीएसआर कंपनी और राममोहन नायडू की पार्टी (तेदेपा) से इसके संबंधों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इन संबंधों की जांच एक स्वतंत्र और सक्षम प्राधिकार द्वारा की जानी चाहिए तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से।'' पत्र की एक प्रति केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी भेजी गयी है।

मोहोल ने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पहले ही एक प्रेस बयान जारी कर दिया है जिसमें सर्वोच्च विमानन निकाय ने चल रही जांच से संबंधित सभी बातों पर स्पष्टीकरण दिया है। मोहोल ने कहा, ''एजेंसी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि प्रारंभिक रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले जारी कर दी जाएगी। जांच से जुड़ी हर जानकारी सबके सामने रखी गई है और रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। मैं किसी की भी टिप्पणी पर कुछ नहीं कहना चाहता।' नागर विमानन मंत्रालय ने 19 फरवरी को कहा था कि दुर्घटना के 30 दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी कर दी जाएगी।

# मोटर वाहन टैक्स घोटाले में कार्रवाई

## निरीक्षक सहित तीन कर्मचारियों की वेतनवृद्धि रोकी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। ठाणे क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अंतर्गत आने वाले नवी मुंबई उपक्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में मोटर वाहन टैक्स से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में उपलोकायुक्त के निर्देश पर विभागीय कार्रवाई की गई है। मोटर वाहन निरीक्षक शैलेशकुमार कोपुल्ला तथा लिपिक-टंकलेखक मयूर हटकर और सुहास पवार की एक वर्ष के लिए वेतनवृद्धि रोक दी गई है। इस कार्रवाई से परिवहन विभाग में हड़कंप मच गया है।

जांच रिपोर्ट में सामने आया कि करीब 850 पुराने वाहनों की प्रविष्टियां 4.0 कंप्यूटर प्रणाली में दर्ज करते समय सीबीआर रिकॉर्ड अपडेट किए बिना टैक्स क्लियरेंस को स्वीकृति दे दी गई। इससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है।इस मामले की शिकायत राष्ट्रीय मानव अधिकार मंच के अध्यक्ष शरद काशीनाथ धुमाल ने परिवहन विभाग से की थी। आरोप है कि विभागीय स्तर पर कार्रवाई नहीं होने के बाद उन्होंने उपलोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद जांच शुरू हुई। जांच पूरी होने के बाद मोटर वाहन निरीक्षक और संबंधित कर्मचारियों को दोषी पाया गया तथा उनके खिलाफ एक वर्ष के लिए वेतनवृद्धि रोकने की सजा दी गई। इस कार्रवाई के बाद परिवहन विभाग में हलचल तेज हो गई है।

# क्रिकेट बैट बना मौत का कारण! कुएं में उतरे युवक की दर्दनाक मौत से मचा हड़कंप

## समरू बाग में दर्दनाक हादसा - पुराने कुएं में गिरकर 25 वर्षीय युवक की मौत, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। समरू बाग इलाके में रविवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जहां क्रिकेट बैट निकालने के प्रयास में 25 वर्षीय युवक की कुएं में गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक की पहचान बिलाल अंसारी (25) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बिलाल के घर के पास स्थित एक जींस कंपनी के कंपाउंड में वर्षों पुराना एक खुला कुआं मौजूद है। कुछ दिन पहले खेलते समय बिलाल का क्रिकेट बैट गलती से उसी कुएं में गिर गया था। रविवार को बिलाल अपना बैट निकालने के लिए कुएं में उतरा, लेकिन इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह गहराई में जा गिरा और बाहर नहीं निकल सका। काफी देर तक बिलाल के बाहर न आने पर आसपास के लोगों को शक हुआ, जिसके बाद कुएं में झांककर देखा गया तो वह बेहोश हालत में पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से युवक को कुएं से बाहर निकलवाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए आईजीएम अस्पताल भेज दिया गया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद इलाके में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विशेष रूप से यह जांच की जा रही है कि पुराने कुएं के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर कुएं को ढका गया होता या सुरक्षा घेरा लगाया गया होता तो शायद यह हादसा टल सकता था। फिलहाल पुलिस हादसे के हर पहलू की जांच कर रही है, जबकि इलाके में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश भी देखा जा रहा है।

## एआई फॉर एग्री सम्मेलन में महिलाओं पर विशेषज्ञों की राय

# किसानों को डिजिटल संसाधन, जानकारी और प्रशिक्षण की आवश्यकता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव बुद्धि का विकल्प नहीं है, बल्कि यह सभी के लिए अवसर का माध्यम बन सकती है। इसका उपयोग कृषि क्षेत्र के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों के लिए भी लाभकारी है। लेकिन इसके लिए यह आवश्यक है कि महिलाओं को पर्याप्त संसाधन, जानकारी और प्रशिक्षण उपलब्ध हो। मांग-आधारित और सहभागितापूर्ण तरीके से विकसित उत्तरदायी कृत्रिम बुद्धिमत्ता कृषि की शुरुआत से लेकर अंत तक की पूरी प्रक्रिया में परिवर्तन ला सकती है। यह विचार 'कृषि में उत्तरदायी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से लैंगिक डिजिटल अंतर को कैसे पाटा जाए' विषयक संगोष्ठी में व्यक्त किए गए।

'महाराष्ट्र कृषि-कृत्रिम बुद्धिमत्ता नीति 2025-2029' के अंतर्गत आयोजित एआई फॉर एग्री वैश्विक कृषि-एआई सम्मेलन एवं निवेशक शिखर बैठक में उक्त विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस चर्चा में एम.एस. स्वामीनाथन अनुसंधान संस्थान की अध्यक्ष सौम्या रंगनाथन, ग्रो इंडिगो की बोर्ड सदस्य पूर्वी मेहता, पानी फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक उषा झेर, पानी फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यजीत भटकळ, यूनाइटेड किंगडम के ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय की प्रोफेसर (लैंगिक एवं विकास अध्ययन) डॉ. नित्या राव, संयुक्त राष्ट्र महिला संस्था की भारत देश प्रतिनिधि कांता सिंह तथा पद्मश्री सम्मानित किसान राहिबाई पोपेरे ने भाग लिया।

संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने देश की अस्थिर कृषि प्रणाली से उत्पन्न पोषण संकट, बढ़ते वायु और जल प्रदूषण तथा मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि आज भोजन से पर्याप्त कैलोरी तो मिलती है, लेकिन वह स्वास्थ्यवर्धक नहीं है। इसके कारण कुपोषण, महिलाओं और बच्चों में एनीमिया तथा मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग जैसी गैर-संचारी बीमारियों का बोझ बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को देखते हुए कृषि और पोषण प्रणालियों में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। विशेषज्ञों ने कहा कि तकनीक उत्पादकता बढ़ा सकती है, लेकिन महिलाओं के मामले में स्मार्टफोन, इंटरनेट, यंत्रीकरण और सलाहकारी साधनों तक सीमित पहुँच के कारण एक बड़ा डिजिटल अंतर पैदा हो गया है। भूमि महिलाओं के नाम पर न होने के कारण उन्हें ऋण, योजनाओं, जल अधिकारों और डेटा प्रणालियों से वंचित किए जाने का मुद्दा भी चर्चा में सामने आया।

पहले उच्च उत्पादक किस्मों के विकास में दशकों लग जाते थे, लेकिन अब जीनोमिक डेटा और एल्गोरिदम के उपयोग से यह कार्य कुछ महीनों में संभव हो रहा है। सटीक फसल उत्पादन पूर्वानुमान, फोटो-आधारित फसल और रोग पहचान अनुप्रयोग, केवल तस्वीरों के आधार पर पशुधन बिक्री के लिए ऑनलाइन लेन-देन जैसी तकनीकों से किसानों का नुकसान कम हो रहा है और आय बढ़ रही है।

देश में लगभग 48 प्रतिशत कृषि कार्य और 79 प्रतिशत पशुपालन कार्य महिलाएँ करती हैं, फिर भी अधिकांश कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल पुरुष-केंद्रित हैं और कुछ ही फसलों के डेटा पर आधारित हैं, जिससे डेटा अंतर उत्पन्न होता है। यह महसूस किया गया कि समावेशन लाने के लिए महिलाओं के कार्य से संबंधित फसल, पशुपालन और स्थानीय प्रथाओं के डेटा को कृत्रिम बुद्धिमत्ता में शामिल किया जाना चाहिए।

पानी फाउंडेशन के माध्यम से राज्य में 30 से अधिक प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 65 प्रतिशत प्रशिक्षु महिलाएँ हैं। पानी फाउंडेशन के सत्यजीत भटकळ ने जानकारी दी कि महाराष्ट्र सरकार 'महा कृषि' पहल के माध्यम से लाखों किसानों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सलाह उपलब्ध करा रही है। साथ ही, महिला किसानों के अधिकारों से संबंधित नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

प्रकृति ही विद्यालय है, प्रकृति ही शिक्षक पद्मश्री सम्मानित किसान राहिबाई पोपेरे ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने प्रकृति के साथ रहते हुए सब कुछ सीखा। प्रकृति ही हमारा विद्यालय है और प्रकृति ही हमारी शिक्षक है। हालांकि, तकनीक ने जीवन को आसान बना दिया है। तकनीक की मदद से किसान पहले ही समझ पाते हैं कि बारिश कब होगी और उसी अनुसार योजना बना सकते हैं। उन्होंने सरकार की मदद से स्थापित बीज बैंक की यात्रा के बारे में बताया। राहिबाई ने कहा कि जंगली सब्जियों में औषधीय गुण होते हैं, इसलिए उनके महत्व को समझते हुए जंगली सब्जियों की खेती बढ़ाने और रासायनिक खेती से बचने की अपील की।

# बाफ्टा पुरस्कार 2026 में भारत का डंका, फरहान अख्तर की मणिपुरी फिल्म 'बूंग' ने लंदन में मचाई धूम

ब्रिटिश एकेडमी फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स 2026 (बाफ्टा) से पहले लंदन में आयोजित अपनी तरह के पहले दक्षिण एशियाई समारोह में मणिपुरी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म ''बूंग'' और गीता गांधबीर द्वारा निर्देशितवृत्तचित्र ''द परफेक्ट नेबर'' सुर्खियों में रहे। फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और नवोदित निर्देशक लक्ष्मीप्रिया देवी द्वारा निर्देशित फिल्म ''बूंग'' बाफ्टा पुरस्कार की सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक फिल्म श्रेणी में पुरस्कार की दौड़ में शामिल है।

भारतीय अमेरिकी निर्देशक गीता गांधबीर को उनकी फिल्म ''द परफेक्ट नेबर'' के लिए सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र बाफ्टा पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। साथ ही अगले महीने ऑस्कर में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फीचर के लिए भी इसे नामित किया गया है। शुक्रवार शाम को लंदन में बाफ्टा मुख्यालय में आयोजित 'सेलिब्रेटिंग साउथ एशियंस' कार्यक्रम में अपने संबोधन में गांधबीर ने कहा, ''हम एक ऐसे समय में रह रहे हैं, खासकर अमेरिका में, जो बेहद चिंताजनक और खतरनाक समय है।''

उन्होंने कहा, ''एशियाई और दक्षिण एशियाई होने के नाते यहां होना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं सभी को याद दिलाना चाहती हूं कि यह समय है कि हम अन्य हाशिए पर पड़े समुदायों के साथ मिलकर काम करें।'' एमी पुरस्कार से सम्मानित फिल्म निर्माता ने कहा, ''मुझे फिल्म जगत में पहला मौका देने वाले महान स्पाइक ली थे... असल में अमेरिका के अश्वेत समुदाय ने ही मेरे लिए दरवाजे खोले और मैं उन्हीं के कंधों पर खड़ी हूं। हम यह लड़ाई इसलिए लड़ रहे हैं... क्योंकि अमेरिका में जो कुछ होता है, उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। भयानक नीतियां, भयानक विचार फैलते हैं... हम सब मिलकर मजबूत हैं।''

पुरस्कार समारोह से पहले आयोजित कार्यक्रम में फिल्म ''बूंग'' का प्रतिनिधित्व फिल्म के सहायक निर्देशक राहुल शारदा ने किया। उन्होंने अपनी टीम की ओर से इस बात पर खुशी व्यक्त की कि भारत की एक क्षेत्रीय फिल्म को वैश्विक मंच पर पहचान मिल रही है। शारदा ने कहा, ''मुझे बॉलीवुड बहुत पसंद है, खासकर गाने-नाचने वाली फिल्में, लेकिन भारत अपनी सांस्कृतिक विविधता के कारण बहुत कुछ देने को तैयार है। यह जानकर बहुत खुशी होती है कि एक ऐसा मंच है जहां हमारे क्षेत्रीय सिनेमा को भी पहचान मिल रही है।'' इस कार्यक्रम का सह-आयोजन 'सोसाइटी ओ' द्वारा किया गया था, जो दक्षिण एशियाई उपलब्धियों को उजागर करने के लिए समर्पित ब्रिटेन स्थित एक सांस्कृतिक मंच है। लंदन के 'रॉयल फेस्टिवल हॉल' में रविवार को 79वें वार्षिक बाफ्टा पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जायेगा।

# फिर बिगड़ी शरद पवार की तबीयत, इस समस्या के चलते अस्पताल में हुए भर्ती

मुम्बई **(एजेंसी)**। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता शरद पवार मंगलवार को पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक पहुंचे। यहां उन्होंने नियमित रूटीन स्वास्थ्य जांच कराई। उल्टी की शिकायत के कारण उन्हें हल्का डिहाइड्रेशन हो गया था। डॉक्टरों ने उनकी सुरक्षा के लिए अगले दो दिनों तक अस्पताल में निगरानी में रहने की सलाह दी है। फिलहाल वह हॉस्पिटल के हॉल क्लिनिक में भर्ती हैं। शरद पवार के ब्लड टेस्ट और सीटी स्कैन कराए गए, और डॉक्टरों के अनुसार सभी रिपोर्ट सामान्य आई हैं। इस दौरान उनकी बेटी सुप्रिया सुले भी उनके साथ मौजूद रही।

85 वर्षीय नेता को पिछले हफ्ते भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उन्हें सांस लेने में दिक्कत और लगातार खांसी की शिकायत थी। आगे की जांच में पता चला कि उन्हें सीने में इन्फेक्शन था। संक्रमण के कारण उन्हें कुछ दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया। हालत में सुधार होने के बाद शरद पवार को पिछले शनिवार को उनके घर भेजा गया था। डॉक्टरों ने उन्हें तीन से चार दिन आराम करने की सलाह दी थी। चिकित्सकों ने बताया कि शरद पवार को हल्के डिहाइड्रेशन के कारण लिक्विड की आवश्यकता थी। डॉ. पुरवेज ग्रांट, चीफ कार्डियोलॉजिस्ट ने कहा कि उनकी स्थिति स्थिर है और दो दिन बाद उन्हें घर भेज दिया जाएगा।

शरद पवार के अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उनकी बेटी सुप्रिया सुले ने एक्स पर जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि शरद पवार अब घर पर आराम करेंगे और उसके बाद अपनी सामान्य दिनचर्या फिर से शुरू करेंगे। साथ ही उन्होंने रूबी हॉल क्लिनिक के सभी डॉक्टरों, नर्सों और सपोर्टिंग स्टाफ का दिल से धन्यवाद किया, जिन्होंने उनके पिता का इलाज और देखभाल की। सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि शरद पवार की सेहत के बारे में पूछने के लिए सभी का आभार व्यक्त करती हैं।

# लश्कर की धमकी के बाद दिल्ली में किलेबंदी भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा सख्त

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश की राजधानी दिल्ली इस वक्त हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा एजेंसियों को खुफिया जानकारी मिली है कि आतंकी संगठन दिल्ली की भीड़भाड़ वाली धार्मिक और ऐतिहासिक जगहों पर हमले की साजिश रच रहे हैं।

खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान का आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा भारत के बड़े शहरों में आईईडी धमाके करने की योजना बना रहा है। बताया जा रहा है कि 6 फरवरी को इस्लामाबाद की एक मस्जिद पर हुए हमले का बदला लेने के लिए वे चांदनी चौक के एक मंदिर और अन्य प्रसिद्ध जगहों को निशाना बना सकते हैं। यह अलर्ट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि तीन महीने पहले लाल किले के पास एक धमाका हुआ था, जिसमें 15 लोगों की जान

चली गई थी। किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों ने पूरे शहर में पहरा बढ़ा दिया है। मंदिर परिसरों और ऐतिहासिक इमारतों के पास बड़ी संख्या में पैरा-मिलिट्री फोर्स तैनात की गई है। दिल्ली में आने वाली हर गाड़ी की बारीकी से जांच हो रही है। लावारिस खड़ी गाड़ियों और पार्किंग पर खास नजर रखी जा रही है। कंट्रोल रूम के जरिए पूरे शहर की रियल-टाइम सीसीटीवी फुटेज पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध हरकत को तुरंत पकड़ा जा सके। पुलिस होटलों, गेस्टहाउसों, साइबर कैफे, मॉल, सिनेमाघरों और सिम कार्ड बेचने वाली दुकानों की जांच कर रही है। इसके साथ ही किराएदारों, घरेलू नौकरों और मजदूरों का बैकग्राउंड चेक भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए पुलिस मार्केट और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, दुकानदारों और वेंडरों के साथ लगातार बैठकें कर रही है। लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की सलाह दी गई है।

## दुनिया में यूपीआई की धूम, भारत ने डिजिटल पेमेंट में दिखाया दम

### हर साल हो रहे 170 अरब से ज्यादा ट्रांजेक्शन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत ने डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में कई बड़े देशों को पीछे छोड़ दिया है। अब कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं मानने लगी हैं कि भारत का यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) न सिर्फ सफल है, बल्कि इसने यह भी साबित कर दिया है कि एक सरकारी मॉडल दुनिया के बड़े प्राइवेट नेटवर्क्स को चुनौती दे सकता है।

इंटरेस्ट.को.एनजेड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जहां अमेरिका के वीज़ा और मास्टरकार्ड जैसे पेमेंट नेटवर्क प्रीमियम प्राइवेट सेवाओं के तौर पर काम करते हैं, वहीं भारत ने डिजिटल पेमेंट सिस्टम को पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में विकसित किया है। यूपीआई की खास बात यह है कि यह आम लोगों के लिए लगभग मुफ्त सेवा है। छोटे दुकानदार से लेकर बड़े व्यापारियों तक, हर कोई इसका इस्तेमाल कर सकता है। इससे डिजिटल लेनदेन आसान, तेज और सुरक्षित हुआ है।

रिपोर्ट में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों का जिक्र किया गया है। इनके अनुसार, भारत के कुल डिजिटल भुगतानों में यूपीआई की हिस्सेदारी 80 फीसदी से ज्यादा हो चुकी है। साल 2017 में जहां यूपीआई के यूजर्स करीब 3 करोड़ थे, वहीं 2024 तक यह संख्या 4 करोड़ से ज्यादा हो गई। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत में हर साल 170 अरब (170 बिलियन) से ज्यादा यूपीआई ट्रांजेक्शन हो रहे हैं। एक अरब से अधिक आबादी वाले देश में यह आंकड़ा डिजिटल क्रांति की

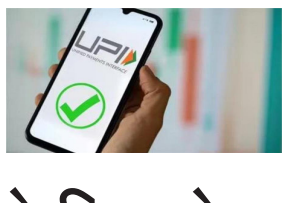


## टी20 वर्ल्ड कप : सुपर-8 से पहले पाकिस्तान में तनाव, पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने खोली पोल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच पाकिस्तान टीम के डगआउट का एक वीडियो चर्चा में है, जिसमें कप्तान सलमान अली आगा निराशा में बोतल फेंकते नजर आए। इस घटना पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज़ मनोज तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तिवारी का मानना है कि पाकिस्तान टीम के भीतर स्पष्टता और भरोसे की कमी दिखाई दे रही है और इसके लिए उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख को जिम्मेदार ठहराया।

तिवारी ने कहा कि किसी भी देश की टीम आगे बढ़ना चाहती है तो उसके नेतृत्व में स्पष्टता और दृढ़ता होनी चाहिए। उनके मुताबिक खिलाड़ियों को आजादी और स्पष्ट भूमिका नहीं मिल रही है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा मुख्य कोच माइक हेसन टीम को साथ लेकर चलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन शीर्ष स्तर पर फैसलों में स्पष्टता नहीं दिख रही। तिवारी ने यह भी कहा कि कप्तान सलमान अली आगा और कोच के बीच निराशा का जो दृश्य सामने आया, वह दर्शाता है कि टीम के भीतर विश्वास की कमी है।

हालांकि, पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने वायरल वीडियो को लेकर सफाई दी है। उनके अनुसार कप्तान सलमान अली आगा खुद के आउट होने से निराश थे और उसी वजह से उन्होंने बोतल जमीन पर फेंकी।

हेसन ने बताया कि उस समय वे मोहम्मद नवाज़ को बल्लेबाज़ी के लिए तैयार रहने के बारे में बात करने जा रहे थे। बाद में शादाब खान को प्रमोट करने पर भी चर्चा हुई थी। कोच के मुताबिक इस घटना का बातचीत या किसी मतभेद से कोई संबंध नहीं था और इसे गलत तरीके से पेश किया गया।

पाकिस्तान का सुपर-8 चरण का पहला मुकाबला न्यूज़ीलैंड के खिलाफ बारिश की वजह से रद्द हो गया, जिससे दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। अब पाकिस्तान 24 फरवरी को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगा।

इस मैच में पाकिस्तान के लिए जीत बेहद अहम होगी, क्योंकि सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें मजबूत प्रदर्शन करना होगा।

## भारत ने लगातार दूसरी बार जीता एशिया कप राइजिंग स्टार्स का खिताब, फाइनल में बांग्लादेश को हराया

बैंकॉक **(एजेंसी)**। तेजल हसनबिस ने धीमी टर्निंग पिच पर 34 गेंदों पर नाबाद 51 रन के बाद लेग स्पिनर प्रेमा रावत की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ए ने रविवार को यहां एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स के कम स्कोर वाले फाइनल में बांग्लादेश ए को 46 रन से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। भारत एक समय 44 रन पर 4 विकेट गंवाने के बाद मुश्किल में था, लेकिन हसनबिस जो भारत के लिए वनडे खेल चुकी हैं, और कप्तान राधा यादव जो एक और इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं, (30 गेंदों पर 36 रन) ने पांचवें विकेट के लिए 89 रन की पार्टनरशिप करके टीम को 20 ओवर में 7 विकेट पर 134 रन तक पहुंचाया। हालात और भारतीय बॉलिंग अटैक की ताकत को देखते हुए राधा की कप्तानी वाली टीम ने बांग्लादेश को 19.1 ओवर में 88 रन पर आउट करके आराम से मैच बचा लिया। प्रेमा (चार ओवर में 3/12) स्टार गेंदबाज रही, जो हाल ही में खेले गए डब्ल्यूपीएल में आरसीबी के जीतने वाले कैंपेन का हिस्सा थीं। बांग्लादेश कभी भी रन चेज में नहीं था, उसने तीसरे ओवर में 12 रन पर अपना पहला विकेट खो दिया था। यह सिलसिला तब शुरू हुआ जब इश्मा तंजीम तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर की बॉल पर कैच आउट हो गईं, जो पिच पर फेल हो गईं। प्रेमा ने एक क्लासिकल लेग-ब्रेक से अपना विकेट लिया, जो शमीमा सुल्ताना के बाहरी किनारे से लगकर थोड़ी एक्स्ट्रा बाउंस हुई। 2023 में टूर्नामेंट के पहले फाइनल में भी भारत ए ने बांग्लादेश ए को हराया था।

## भारतीय समृद्धि के लिए उद्योग जगत में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अनिवार्य : टी वी नरेंद्रन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (आइमा) के अध्यक्ष टी वी नरेंद्रन ने शनिवार को कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में कृत्रिम मेधा (एआई) और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती अहमियत के बीच भारत की समृद्धि बनाए रखने के लिए उद्योग जगत की हस्तियों के पास प्रौद्योगिकी को समझने और उसे लागू करने की क्षमता होनी जरूरी है। नरेंद्रन ने 'आइमा' के 70वें स्थापना दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारतीय व्यवसाय और उनके नेतृत्वकर्ता राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। टाटा स्टील के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक नरेंद्रन ने कहा कि घरेलू कंपनियां आज दुनिया भर में व्यवसायों का अधिग्रहण कर रही हैं और भारतीय प्रबंधक विश्व के कुछ सबसे जटिल संगठनों का संचालन कर रहे हैं।

उन्होंने एआई के संदर्भ में कहा, 'कृत्रिम मेधा अब केवल चर्चा का एक छोटा हिस्सा नहीं रह गया है। यह अब सरकारों की सोच, व्यवसायों के संचालन और भविष्य के लिए समाज की तैयारियों के केंद्र में है।' जलवायु परिवर्तन पर नरेंद्रन ने कहा कि यह अब कोई दूर का जोखिम नहीं है, बल्कि कंपनियों के बहीखाते और नियामकीय ढांचों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा, 'भारत ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जो अधिकांश देशों को कभी नहीं मिलता। हमारा डिजिटल बुनियादी ढांचा कई विकसित देशों द्वारा दशकों में खड़ी की गई संरचना से आगे निकल चुका है। हमारा स्टार्टअप परिवेश ऊर्जावान है और विनिर्माण की महत्वाकांक्षाएं वास्तविक हैं। दुनिया आज भारत को उस नजरिये से देख रही है जैसा पहले कभी नहीं देखा।' नरेंद्रन ने कहा कि सार्वजनिक, निजी और सामाजिक क्षेत्रों में प्रबंधन की गुणवत्ता यह तय करेगी कि यह अवसर स्थायी समृद्धि में बदलेगा या फिर अधूरी संभावनाओं की कहानी बनकर रह जाएगा।

## टी20 वर्ल्ड कप 2026 : इंग्लैंड ने दिखाया दम श्रीलंका को 51 रनों से हराकर दर्ज की बड़ी जीत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की है। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रनों के बड़े अंतर से हराकर टूर्नामेंट के इस अहम पड़ाव में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

मैच की शुरुआत में श्रीलंका ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 146 रन बनाए और श्रीलंका को जीत के लिए 147 रनों का लक्ष्य दिया। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई और मैच हार गई।

इंग्लैंड की इस जीत के असली हीरो विल जैक्स रहे। उन्होंने अपनी शानदार गेंदबाजी से श्रीलंका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। विल जैक्स ने महत्वपूर्ण 3 विकेट चटकाए, जिसकी बदौलत श्रीलंका की टीम लक्ष्य से काफी दूर रह गई। सुपर-8 में इन दोनों टीमों का यह पहला मैच था। इस ग्रुप का पिछला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड के बीच खेला जाना था, लेकिन वह बारिश की वजह से रद्द हो गया था। इस जीत के साथ इंग्लैंड को ग्रुप में अच्छी बढ़त मिल गई है, जो उन्हें सेमीफाइनल की रेस में आगे रखने में मदद करेगी।

## किसी भी टीम को हल्के से ना लें, इससे आप लक्ष्य से भटक सकते हो : डैरेन सैमी

मुंबई **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ के रविवार को होने वाले मैच से पहले अपने खिलाड़ियों को आगाह किया कि वह जिम्बाब्वे को किसी भी तरह से कम करके आंकने की गलती नहीं करें क्योंकि इससे वह लक्ष्य से भटक सकते हैं। सैमी ने इसके साथ ही कहा कि जिम्बाब्वे को ग्रुप बी में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया जैसी वरीयता प्राप्त टीमों के साथ रखे जाने से अतिरिक्त प्रेरणा मिली होगी और उनका मानना है कि इसी वजह से जिम्बाब्वे ने अपनी क्षमता से बढ़कर प्रदर्शन किया और ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे ने ग्रुप चरण में पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सबको चौंका दिया था। सैमी ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, 'ऐसा कम ही होता है कि केवल शीर्ष टीमें ही आगे बढ़ें। मेरी टीम जानती है कि वह विश्व कप में खेल रही है। कल हमारा मुकाबला जिम्बाब्वे से है, फिर दक्षिण अफ्रीका से और उसके बाद भारत से।' उन्होंने कहा, 'हमारे सामने पिछले विश्व कप के दो फाइनलिस्ट हैं। अगर आपको जीतना है तो आपको अपने सामने मौजूद चुनौतियों का सामना करना होगा। इसे हल्के में न लें, किसी को भी कम न समझें। अगर आप अन्य चीजों पर ध्यान देते हैं तो आप लक्ष्य से भटक सकते हैं।' सैमी ने जिम्बाब्वे के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन के बारे में कहा कि उसे वरीयता नहीं मिली थी जिससे वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिम्बाब्वे ने वही किया जो उसे करना चाहिए था। अगर हमें वरीयता नहीं मिली होती या ऐसा कुछ होता और मैं देखता कि यह व्यक्ति (एक प्रतिद्वंद्वी) वहां खेलने जा रहा है तो इससे मुझे प्रेरणा मिलती।' सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि जिम्बाब्वे ने उस टीम को देखकर प्रेरणा और प्रोत्साहन हासिल किया होगा और उसी तरह से खेला होगा। लेकिन (टीमों को वरीयता देने के मामले में) मैं व्यवस्था के दृष्टिकोण से भी समझता हूं। प्रशंसकों को आश्वासन देने की कोशिश करना जरूरी है।'

## एफआईएच प्रो लीग : 2-2 की रोमांचक टक्कर के बाद ऑस्ट्रेलिया ने शूटआउट में भारत को हराया

होबार्ट **(एजेंसी)**। एफआईएच प्रो लीग में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार वापसी करते हुए 2-2 की बराबरी की और फिर शूटआउट में जीत दर्ज कर बोनस अंक हासिल कर लिया।

दो गोल से पीछे होने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आखिरी क्वार्टर में जबरदस्त खेल दिखाया और मैच को शूटआउट तक पहुंचाया। भारतीय टीम ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज़ में की। 15वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अमित रोहिदास ने शानदार हिट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन हाफटाइम तक भारत 1-0 से आगे रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक खेल जारी रखा। 43वें मिनट में जुगराज सिंह ने शानदार ड्रैग फ्लिक के जरिए स्कोर 2-0 कर दिया। उस समय लग रहा था कि भारत मुकाबला अपने नाम कर लेगा। लेकिन चौथे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और लगातार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। जोएल रिंटाला ने 47वें और 56वें मिनट में दो बेहतरीन ड्रैग फ्लिक लगाकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। भारतीय गोलकीपर मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार ने शानदार बचाव किए, लेकिन मैच शूटआउट में चला गया।

शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मार ली और बोनस पॉइंट अपने नाम किया। हार के बावजूद जुगराज सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने कहा, 'आज का मैच बेहद कठिन था। हमने स्पेन के खिलाफ हार के बाद अच्छी वापसी की है और आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।'

## श्रीलंका 95 रन पर सिमटी, इंग्लैंड ने सुपर-8 में दर्ज की पहली जीत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में इंग्लैंड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 51 रन से हराकर अभियान की पहली जीत दर्ज की। पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 146/9 का स्कोर बनाया और फिर शानदार गेंदबाज़ी के दम पर मेजबान टीम को 16.4 ओवर में 95 रन पर समेट दिया।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया। पल्लेकेले की मुश्किल पिच पर इंग्लैंड की शुरुआत डगमगाई, लेकिन फिल सॉल्ट ने जिम्मेदारी संभालते हुए 40 गेंदों में 62 रन की अहम पारी खेली। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाया और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

मिडिल ऑर्डर लगातार अंतराल पर विकेट गंवाता रहा। श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने कसी हुई लाइन रखी, जिससे इंग्लैंड बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सका। आखिरी ओवरों में कुछ तेज़ रन जरूर आए, लेकिन टीम 150 के आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गई। 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। पावरप्ले के अंत तक टीम 34/5 पर संघर्ष कर रही थी। विल जैक्स ने लगातार चार ओवर गेंदबाज़ी करते हुए 3/22 के आंकड़े के साथ मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से दो अहम विकेट चटकाए, जबकि लियाम डॉसन और आदिल रशीद ने मिडिल ओवरों में दबाव बनाए रखा। श्रीलंका 10 ओवर के बाद 56/6 पर पहुंच चुका था और वापसी की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई थीं। कप्तान दासुन शनाका ने 30 रन बनाकर कुछ प्रतिरोध दिखाया, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे।

आदिल रशीद ने आखिरी विकेट लेकर श्रीलंका की पारी 95 रन पर समाप्त कर दी। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की लगातार 12वीं जीत भी रही। 146 का स्कोर शुरुआत में मामूली लग रहा था, लेकिन इंग्लैंड के अनुशासित गेंदबाज़ी प्रदर्शन ने इसे मैच जिताऊ साबित कर दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सुपर-8 चरण में मजबूत शुरुआत की है, जबकि श्रीलंका को अपने घरेलू मैदान पर करारी शिकस्त झेलनी पड़ी।

## मेस्सी की मौजूदगी में एमएलएस चैंपियन इंटर मियामी को मिली पहले मैच में हार

लॉस एंजिलिस **(एजेंसी)**। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी ने एमएलएस कप में अपने खिताब के बचाव का अभियान हार के साथ किया। इंटर मियामी को अपने पहले मैच में लॉस एंजिलिस एफसी से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा।

विजेता टीम की तरफ से डेविड मार्टिनेज, डेनिस बुआंगा और नाथन ऑर्डाज़ ने गोल किए। बुआंगा ने मैच के बाद कहा, 'वह मैच हमेशा खास होता है जिसमें मेस्सी खेलते हैं। हम मेस्सी की मौजूदगी में मियामी को हराना चाहते थे। इस मैच के लिए


**पश्चिम रेलवे**
**वडोदरा मंडल**

**अलग-अलग बड़े ट्रैक ब्रिज की पुरानी खराब प्लेटों को बदलना**

**ई-टेंडर नोटिस संख्या: DYCE-BR-BRC-25-2025-26** भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके प्रतिनिधित्व में, उपमुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन), वडोदरा, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम एवं टेंडर संख्या: DYCE-BR-BRC-25-2025-26 कार्य का नाम:** "CNA-BEC और BEC-RTM सेक्शन के अलग-अलग बड़े ट्रैक ब्रिज की पुरानी खराब प्लेटों को बदलना, RTM-FTD सेक्शन के ब्रिज नंबर 519, 530 और 534 पर मेटलाइज़िंग करना, OHE प्रोटेक्शन स्क्रीन लगाना और ठीक करना, इंस्पेक्शन क्रेडल, एंटी-क्रैश बैरियर लगाना, ट्रेनेज स्पाउट्स लगाना, रतलाम डिवीजन के SSE/ब्रिज/रतलाम के अधिकार क्षेत्र में RTM-CNA और RTM-KNW सेक्शन के अलग-अलग ROB पर अन्य विविध कार्य।" **अनुमानित लागत (रुपए में):** ₹ 5,84,74,820.80 **जमा करने योग्य बोली सुरक्षा राशि (रुपए में):** ₹ 4,42,400.00 **ई-टेंडर जमा करने और खोलने की तिथि एवं समय:** ऑनलाइन टेंडर 16.03.2026 को 15:00 बजे से पहले जमा किया जाना चाहिए, और उसी दिन 15:30 बजे खोला जाएगा। **वेबसाइड विवरण और लोकेशन के लिए नोटिस जहां पूरी डिटेल्स देखी जा सकती हैं: वेबसाइट @ www.ireps.gov.in** डिप्टी चीफ इंजीनियर (ब्रिज लाइन) वडोदरा, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4 **BRC 368**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly


## 'वह मुझे कभी रिश्ते का बोझ महसूस नहीं होने देते', पति मथियास बो पर तापसी पन्नू का खुलासा

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं, और शादी को लेकर उनके हालिया विचार भी उतने ही स्पष्ट और प्रेरणादायी हैं। शुभंकर मिश्रा के साथ एक स्पष्ट बातचीत में, तापसी ने खुलासा किया कि उन्होंने पूर्व डेनिश बैडमिंटन चैंपियन माथियास बो को अपना जीवनसाथी क्यों चुना। तापसी ने कहा, 'उन्होंने मुझे कभी रिश्ते का बोझ महसूस नहीं होने दिया, ' यह समझाते हुए कि शादी के बाद भी, कुछ भी बहुत ज़्यादा अलग नहीं लगा। उन्होंने माना, 'मैं लगभग भूल जाती हूँ कि मैं शादीशुदा हूँ, ' और कहा कि शादी से पहले उनकी बस यही कंडीशन थी कि सब कुछ पहले जैसा ही रहे।

मथियास बो, एक मशहूर डबल्स स्पेशलिस्ट और ओलंपिक मेडलिस्ट, भले ही किसी दूसरे देश से हों, लेकिन तापसी के लिए ज्योग्राफी से ज़्यादा कम्पैटिबिलिटी मायने रखती थी।

तापसी के मुताबिक, यह उनका सहज होना था। कोई इमोशनल बोझ नहीं था, कोई ऑब्लिगेशन की भावना नहीं थी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि वह कभी नहीं चाहती थीं कि शादी को पहचान में बदलाव जैसा महसूस हो। उन्होंने कहा कि अगर माहौल बदल गया, तो इसे फॉर्मल बनाने का कोई मतलब नहीं होगा। कपल ने 2023 में शादी कर ली।

तापसी ने कहा, शुरू में नहीं। उन्होंने मज़ाक में कहा कि उन्होंने एक विदेशी को अपने प्यार में डालने

और मेडल लेकर भारत आने की 'प्लानिंग और प्लॉटिंग' की थी। मज़ाक से हटकर, उन्होंने साफ़ किया कि दोनों ने प्रैक्टिकल तरीका अपनाया। उन्होंने सच में एक-दूसरे का साथ एन्जॉय किया और आगे इन्वेस्ट करने का फैसला तभी किया जब उन्हें लगा कि इस बॉन्ड में लॉन्ग-टर्म पोटेंशियल है - खासकर लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप की चुनौतियों को देखते हुए।


**पश्चिम रेलवे**
**वडोदरा मंडल**

**ROB 104 C तथा अन्य विभिन्न आरओबी का पुनर्वास कार्य**

**ई-टेंडर सूचना संख्या: DYCE-BR-BRC-24R-2025-26** भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियंता (ब्रिज लाइन), वडोदरा, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा–390004 द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। **कार्य का नाम एवं टेंडर संख्या: DYCE-BR-BRC-24R-2025-26 कार्य का नाम:** "NAD–UJN–BPL खंड: रतलाम मंडल के SSE BR UJN के अधिकार क्षेत्र में स्थित ROB 104 C तथा अन्य विभिन्न ROB का पुनर्वास कार्य (पुनः आमंत्रित–3)।" **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹1,61,37,030.75 **जमा की जाने वाली निविदा सुरक्षा (बिड सिक्योरिटी):** ₹2,30,700.00 **ई-टेंडर जमा करने और ई-टेंडर खोलने की तारीख और समय:** ऑनलाइन टेंडर 16.03.2026 को 15.00 बजे से पहले जमा करना है और उसी तारीख को 15.30 बजे खोला जाएगा। **वेबसाइट पर दी गई जानकारी और जगह का नोटिस, जहाँ पूरी जानकारी देखी जा सकती है वगैरह : वेबसाइट @ www.ireps.gov.in** ऑफिस ऑफ़ डिप्टी चीफ इंजीनियर (ब्रिज लाइन) वेस्टर्न रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4 **BRC 367**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly



**पश्चिम रेलवे**
**वडोदरा मंडल**

**शुद्धिपत्र**

**विषय:** निविदा संख्या DRM BRC 180 of 2025-26 में कार्य के लिए शुद्धिपत्र "वडोदरा मंडल: डीईएन (डब्ल्यू) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत 110 संख्या में विभिन्न स्टाफ सुविधाओं अर्थात् रसोईघर, फर्श, जल निकासी लाइन एवं छत उपचार के सुधार" उपरोक्त निविदा के संदर्भ में यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं: **1. कार्य के नाम में बदलाव: कार्य का मौजूदा नाम:** वडोदरा मंडल: डीईएन (डब्ल्यू) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत 110 संख्या में विभिन्न स्टाफ सुविधाओं अर्थात् रसोईघर, फर्श, जल निकासी लाइन एवं छत उपचार के सुधार" **इसे इस प्रकार पढ़ा जाएगा:** "वडोदरा मंडल: डीईएन (डब्ल्यू) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत 110 संख्या स्टाफ क्वार्टरों में विभिन्न सुविधाओं जैसे रसोईघर, फर्श, जल निकासी लाइन और छत उपचार का सुधार" **2. विशेष शर्तों में संशोधन:** अनुबंध की मौजूदा विशेष शर्तों में संशोधन किया गया है। संशोधित विशेष शर्तें इस पत्र के साथ संलग्न हैं और इन्हें निविदा दस्तावेज़ का हिस्सा बनने वाली मौजूदा विशेष शर्तों के स्थान पर पढ़ा जाएगा। निविदा की अन्य सभी शर्तें अपरिवर्तित रहती हैं। **BRC 366**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly



**पश्चिम रेलवे**
**वडोदरा मंडल**

**मौजूदा पीएससी स्लैबों का प्रतिस्थापन**

**ई-निविदा सूचना सं. DRM-BRC 184 OF 2025-26** भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (का/ले) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा- 390 004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या और कार्य का नाम:** DRM BRC 184 of 2025-26 सूरत-वडोदरा सेक्शन- पुल संख्या 519, 569, और 570 के लिए मौजूदा पीएससी स्लैब को नए पीएससी स्लैब से बदलना। **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 3,50,05,677.44 **बिड सिक्योरिटी जमा करना :** ₹ 3,25,000.00 **टेंडर जमा करने और टेंडर खोलने की तारीख और समय:** 13.03.2026 को प्रस्तुत की गई निविदा 15:00 बजे से पहले जमा की जानी है तथा उसी दिन 15:30 बजे खोली जाएगी। **वेबसाइट की जानकारी और उस जगह का नोटिस जहाँ से पूरी जानकारी देखी जा सकती है और उस ऑफिस का पता जहाँ से टेंडर फॉर्म खरीदा जा सकता है: वेबसाइट @ www.ireps.gov.in** डिविजनल रेलवे मैनेजर (WA/C) पश्चिम रेलवे। प्रतापनगर, वडोदरा-4 **BRC 365**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

# भारतीय तटरक्षक बल की बड़ी कार्रवाई, ईरानी चालक दल वाली नाव पकड़ी; पांच करोड़ की विदेशी सिगरेट जब्त

पोरबंदर। एक बड़े समुद्री अभियान में भारतीय तटरक्षक बल ने भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के भीतर एक संदिग्ध विदेशी पोत को रोका। ईरानी चालक दल वाले इस पोत में तस्करी की गई विदेशी ब्रांड की सिगरेट की एक बड़ी खेप पाई गई।

एक्स पर एक पोस्ट में समुद्र के बीच में हुई इस कार्रवाई का विवरण देते हुए भारतीय तटरक्षक बल ने कहा, '21 फरवरी 2026 को, तटरक्षक बल के एक जहाज ने द्वारका से लगभग 115 समुद्री मील पश्चिम में भारतीय ईईजेड के भीतर एक संदिग्ध विदेशी नौका को रोका।''

चार ईरानी चालक दल के सदस्य गिरफ्तार

जहाज पर चढ़कर तलाशी लेने पर अधिकारियों ने नाव और उसमें सवार लोगों की पहचान की। तटरक्षक बल (आईसीजी) ने बताया, 'अल मुख्तार नाम की इस नाव में चार ईरानी चालक दल के सदस्य सवार थे।' नाव के भंडारण क्षेत्रों की गहन जांच से नाव के भीतर गहराई में छिपाए गए अवैध माल का पता चला।

तटरक्षक बल ने आगे बताया, 'तलाशी लेने पर जहाज के निचले हिस्से में छिपाए गए विदेशी ब्रांड की सिगरेट के लगभग एक लाख पैकेटों से भरे 200 कार्टन बरामद हुए।' तस्करी के इस प्रयास का वित्तीय पैमाना काफी बड़ा है, क्योंकि

अधिकारियों ने खेप का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 2.5-5 करोड़ रुपये आंका है।

इससे पहले भी पकड़ी थी विदेशी नाव

पकड़ी गई नाव और उसके चालक दल को विस्तृत पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है। आईसीजी ने पुष्टि की, 'आगे की जांच और संबंधित पक्षों के साथ संयुक्त पूछताछ के लिए नाव को पोरबंदर ले जाया जा रहा है।' यह ताजा बरामदगी कुछ ही दिन पहले इसी तरह की एक बड़ी समुद्री कार्रवाई के बाद हुई है। 17 फरवरी की रात को भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) के साथ मिलकर खुफिया जानकारी के आधार पर समुद्र में एक त्वरित और साहसिक अभियान चलाया।

गुजरात एटीएस से मिली पुष्ट सूचना के आधार पर, तटरक्षक क्षेत्र (उत्तर पश्चिम) के एक बहु-कार्यक्रम तैनाती पर तैनात आईसीजी जहाज को काल्पनिक अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के निकट मादक पदार्थों की तस्करी के संदेह में एक विदेशी मछली पकड़ने वाली नाव को रोकने के लिए भेजा गया। घोर अंधेरे के बावजूद, आईसीजी जहाज ने मानवीय और तकनीकी निगरानी के संयोजन से संदिग्ध नाव की पहचान कर ली।

203 किलो मादक पदार्थ किया था जब्त

आईसीजी जहाज को आते देख संदिग्ध नाव काल्पनिक आईएमबीएल की ओर भागने लगी। नाव का पता चलने पर आईसीजी जहाज और नाव के बीच शुरुआती दूरी के बावजूद, स्पीडबोट का पीछा किया गया और उसे रोक लिया गया। नाव पर दो विदेशी नागरिक चालक दल के सदस्य पाए गए। नाव की पूरी तरह से तलाशी ली गई और उसमें छिपाकर रखे गए 203 पैकेट (प्रत्येक 1 किलो) क्रिस्टलीय पदार्थ बरामद हुए, जिन पर मादक पदार्थ होने का संदेह था। जब्त की गई नाव को आईसीजी के जहाज द्वारा आगे की जांच और पदार्थ के रासायनिक विश्लेषण के लिए पोरबंदर लाया गया है।

# 'चीन का नाम लेकर देश में अस्थिरता और अराजकता लाना चाहता है विपक्ष', बोले केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी

तिरुवनंतपुरम। संसद का बजट सत्र चीन को लेकर विपक्ष की बयानबाजी के चलते हंगामे की भेंट चढ़ गया था। इसी मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा। सुरेश गोपी ने रविवार को तिरुवनंतपुरम में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि आज संसद में चीन पर बहस हो रही है, क्योंकि कुछ लोग अनिश्चितता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने चुनावी राज्य केरल में भाजपा के लिए सियासी माहौल भी बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अस्थिर करने का एक राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रयास है। लोगों को इस बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए कि क्या ऐसी राजनीतिक संस्कृति के उत्तराधिकारियों को केरल पर शासन करना चाहिए।'

**सुरेश गोपी ने साझा किया सीमा के दौरे का किस्सा**

सुरेश गोपी ने कहा, 'संसद को अभी भी 'चीन-चीन' की बहस में क्यों घसीटा जा रहा है? मैं आपको बता दूं, सिर्फ तीन दिन पहले लगातार दो रातों तक, मैं नेलोंग घाटी के ऊपर किबिथू से केवल पांच किलोमीटर दूर चीन की तोपों और मिसाइलों की बहुत करीब था। इतना करीब कि हरी ढलानों के बीच एक भूरा धब्बा दिखाई दे रहा था।'

उन्होंने आगे कहा, 'उन पर्वतीय घाटियों से उनके दूरबीन, स्टेथोस्कोप, स्फिग्मोमैनोमीटर और यहां तक कि होंठ पढ़ने वाले भी अपनी ऑपरेशनल सीमा के भीतर मुझे देख रहे थे। मैंने उस सीमा की नाजुक शांति को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया। तो आप किस सीमा की बात कर रहे हैं?'

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'संसद में इस तरह का मुद्दा उठाकर शोर मचाना, इसे युद्ध या टकराव की ओर धकेलना केवल एक ही राजनीतिक उद्देश्य को पूरा करता है; भारत और चीन के लोगों के जीवन में अनिश्चितता पैदा करना। कुछ लोगों का मानना है कि पीएम मोदी को तभी हराया जा सकता है जब भुखमरी, अस्थिरता या युद्ध हो।'

**अराजकता चाहता है विपक्ष :केंद्रीय मंत्री गोपी**

उन्होंने कहा, 'ये ध्यान भटकाने वाले अराजकता चाहते हैं। जनता को इस चुनाव में यह तय करना होगा कि क्या इन ध्यान भटकाने वालों के राजनीतिक उत्तराधिकारी इस राज्य पर शासन करना जारी रखेंगे। चुनाव से पहले की मेरी कुछ बातें आपके सामने हैं। कृपया उन पर चर्चा करें।'

गोपी ने कहा, 'क्या आप लोग आपस में इन मामलों पर चर्चा करते हैं? आप में से कितने लोगों ने वास्तव में इस साल के बजट का अध्ययन किया है? बजट पेश होने से पहले ही उन्होंने स्क्रिप्ट लिख ली थी। अगर नरेंद्र मोदी ने इस सदी की दूसरी तिमाही का पहला बजट तैयार किया है, तो केरल के चैंबर ऑफ कॉमर्स ने इसका गहन अध्ययन किया है, इसे स्वीकार किया है और इसे व्यापक समर्थन दे रहे हैं।'

# लॉज के अंदर चल रहा था 'वो' वाला खेल कमरों में संदिग्ध हालत में मिले 18 लड़के-लड़कियां

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के गंजबासौदा में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। स्टेशन रोड स्थित सुहाग लॉज पर जब पुलिस की टीम ने अचानक छापा मारा तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। लॉज के लगभग हर कमरे में लड़के-लड़कियां संदिग्ध हालत में पाए गए।

दरअसल सिटी थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि स्टेशन क्षेत्र की मराठा गली स्थित सुहाग लॉज में एक नाबालिग लड़की को रखा गया है। इस सूचना पर पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। हालांकि जिस नाबालिग की तलाश में छापेमारी की गई थी वह तो वहां नहीं मिली लेकिन पुलिस ने जब कमरों की

तलाशी ली तो वहां 9 जोड़े (कुल 18 युवक-युवती) संदिग्ध परिस्थितियों में मिले।

एसडीओपी शिखा भलावी ने मौके पर पहुंचकर मामले की कमान संभाली। जांच के दौरान पुलिस को कमरों से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है। पकड़े गए युवक-युवती विदिशा के अलावा नटेरन, सिरोंज और पठारी जैसे आसपास के क्षेत्रों के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस ने सभी के आधार कार्ड और मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं ताकि उनकी पहचान और संबंधों की पुष्टि की जा सके।

पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए लॉज संचालक के खिलाफ भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने लॉज का डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर जब्त कर लिया है। इसकी फुटेज खंगाली जा रही है ताकि यह पता चल सके कि यहां पिछले कितने दिनों से इस तरह की गतिविधियां चल रही थीं। लॉज में रुकने वालों की एंट्री सही तरीके से की गई थी या नहीं इसकी जांच के लिए लॉज के सभी दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए गए हैं।

### अब सिर्फ 55 मिनट में दिल्ली से मेरठ

# मनोहर खट्टर और दिल्ली के उपराज्यपाल ने आरआरटीएस के आखिरी हिस्से को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आज दिल्ली और मेरठ के बीच चलने वाली हाई-स्पीड ट्रेन 'नमो भारत' का पूरा रूट बनकर तैयार हो गया है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सराय काले खां स्टेशन पर इस सेवा के अंतिम चरण को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश के मेरठ में इसके शेष हिस्सों का उद्घाटन किया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस मौके पर खुशी जताते हुए कहा कि अब दिल्ली से मेरठ का सफर बेहद आसान हो गया है। उन्होंने कहा, 'जहां

पहले सड़क के रास्ते दिल्ली से मेरठ जाने में तीन घंटे लगते थे, अब लोग सिर्फ 55 मिनट में यह दूरी तय कर पाएंगे। यात्री कभी भी दिल्ली से मेरठ और मेरठ से दिल्ली के लिए ट्रेन पकड़ सकते हैं।'

इस उद्घाटन के साथ ही दिल्ली के मेट्रो नेटवर्क में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई है। मनोहर लाल खट्टर ने जानकारी दी कि आज आरआरटीएस और मेरठ मेट्रो के जुड़ने से दिल्ली के नेटवर्क में 25 किमी और जुड़ गए हैं, जिससे इसकी कुल लंबाई 420 किमी हो गई है। अब दिल्ली मेट्रो दुनिया का सबसे लंबा रूट बन गया है।

### टैरिफ लगाना है तो संविधान का पालन करें

# भारतीय-अमेरिकी वकील नील कत्याल की ट्रंप को चुनौती

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। मशहूर भारतीय-अमेरिकी वकील नील कत्याल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ लगाने के फैसले पर कड़ा ऐतराज जताया है। कत्याल का कहना है कि राष्ट्रपति अपनी मर्जी से ऐसे टैक्स नहीं थोप सकते और उन्हें इसके लिए अमेरिकी संसद की मंजूरी लेनी चाहिए। हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से ट्रंप के पुराने टैरिफ फैसलों को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने साफ किया कि टैक्स लगाने का मुख्य अधिकार संसद के पास है, राष्ट्रपति के पास नहीं। इसके बावजूद ट्रंप ने 'सेक्शन 122' का हवाला देते हुए 15 प्रतिशत का नया ग्लोबल टैरिफ घोषित कर दिया। कत्याल ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि खुद सरकार के न्याय विभाग ने पहले अदालत में इसके उलट दलील दी थी। उन्होंने कहा, 'अगर ट्रंप का यह आइडिया इतना ही अच्छा है, तो उन्हें संसद को मनाने में कोई डर नहीं होना चाहिए। हमारे संविधान का तरीका यही है।' ट्रंप के इस फैसले का सीधा असर भारत पर भी पड़ेगा। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के अनुसार, भारत जैसे देश भी इस नए ग्लोबल टैरिफ के दायरे में आएंगे। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और अमेरिका व्यापार को लेकर एक समझौते पर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को एंटी-अमेरिकन बताते हुए अपने फैसले को सही ठहराया है।

नील कत्याल अमेरिका के सबसे प्रभावशाली वकीलों में से एक हैं। उनका जन्म शिकागो में भारतीय माता-पिता (एक डॉक्टर और एक इंजीनियर) के घर हुआ था। वे येल लॉ स्कूल से पढ़े हैं और राष्ट्रपति ओबामा के समय में 'एक्टिंग सॉलिसिटर जनरल' रह चुके हैं। उन्होंने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा केस लड़े हैं। वे ट्रंप के 2017 के ट्रैवल बैन जैसे बड़े मामलों को चुनौती देने के लिए जाने जाते हैं। वर्तमान में वे जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं और संवैधानिक मामलों के बड़े विशेषज्ञ माने जाते हैं।

# अमेरिकी राजदूत ने कहा- इज़राइल कर ले इराक से मिस्र तक कब्जा!

### आग बबूला हुए अरब और इस्लामिक देश

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। इज़राइल में अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी के हालिया बयान पर मध्य पूर्व में बड़ा कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कतर की राजधानी दोहा से जारी संयुक्त बयान में 14 अरब और इस्लामिक देशों ने उनकी टिप्पणी को 'खतरनाक और भड़काऊ' करार दिया। यह विवाद उस इंटरव्यू के बाद शुरू हुआ, जिसमें हकाबी ने अमेरिकी कमेंटेटर टकर कार्लसन से बातचीत के दौरान कहा था कि यदि इज़राइल पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण ले ले तो 'यह ठीक होगा।' चर्चा कथित ऐतिहासिक दावों और यूफ्रेट्स नदी (इराक) से लेकर नील नदी (मिस्र) तक के भूभाग पर केंद्रित थी।

दोहा से जारी संयुक्त बयान पर कतर, मिस्र, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्किये, सऊदी अरब, कुवैत, ओमान, बहरीन, लेबनान,

सीरिया और फिलिस्तीन के विदेश मंत्रालयों ने हस्ताक्षर किए। इसके अलावा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी), अरब राज्यों का लीग (एलएएस) और इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के सचिवालयों ने भी निंदा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि इज़राइल को कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों या किसी अन्य अरब भूमि पर कोई संप्रभुता नहीं है। इस तरह की टिप्पणी को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का 'स्पष्ट उल्लंघन' बताया गया। बयान में चेतावनी दी गई कि इज़राइल की 'विस्तारवादी नीतियां' क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं और इससे हिंसा और संघर्ष बढ़ सकता है।

विवाद बढ़ने के बाद हकाबी ने अपनी टिप्पणी को 'कुछ हद तक अतिशयोक्तिपूर्ण' बताया। उन्होंने कहा कि इज़राइल अपने मौजूदा क्षेत्र का विस्तार नहीं कर रहा है और उसे अपने वर्तमान भूभाग में सुरक्षा का अधिकार है। हालांकि, आलोचक देशों ने मांग की है कि ऐसे 'उत्तेजक बयानों' पर रोक लगाई जाए, क्योंकि इससे शांति प्रक्रिया को नुकसान पहुंचता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब गाज़ा संघर्ष और वेस्ट बैंक को लेकर पहले से ही तनाव चरम पर है। संयुक्त बयान में कहा गया कि यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उस घोषित नीति से भी मेल नहीं खाती, जिसमें गाज़ा संघर्ष समाप्त करने और स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य के लिए राजनीतिक रास्ता बनाने की बात कही गई है।

# सुपर बम तूफान का अमेरिका पर हमला, एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क की सभी उड़ानें कीं रद्द

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के ईस्ट कोस्ट, खासकर न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में आने वाले भयानक बर्फीले तूफान और भारी बर्फबारी के खतरे को देखते हुए एयर इंडिया ने अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। सोमवार (23 फरवरी) को न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाली सभी फ्लाइट्स कैंसिल रहेंगी।

एयरलाइन ने एक बयान जारी कर कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। 22 और 23 फरवरी को मौसम बेहद खराब रहने का अनुमान है, जिससे उड़ानों के संचालन पर असर पड़ेगा। एयर इंडिया ने भरोसा दिया है कि जिन यात्रियों की बुकिंग रद्द हुई है, उनकी मदद के लिए स्पेशल टीमें तैनात की गई हैं।

मौसम वैज्ञानिकों ने इस तूफान को 'सुपर बम' करार दिया है। पूरे न्यूयॉर्क और उत्तर-पूर्वी अमेरिका में लगभग 3 करोड़ लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। अनुमान है कि रविवार से तेज हवाओं के साथ भारी और गीली बर्फ गिर सकती है। अब तक कुल 1, 000 से ज्यादा उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने नागरिकों से अपील की है कि वे घरों के अंदर रहें और सड़कों पर न निकलें। उन्होंने चेतावनी दी है कि यह तूफान पिछले महीने आए तूफान से भी ज्यादा खतरनाक और जानलेवा हो सकता है। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, कई इलाकों में 1 से 2 फीट तक बर्फ जमा हो सकती है। न्यूयॉर्क, बोस्टन, न्यू जर्सी, और मैरीलैंड जैसे राज्यों में बर्फीले तूफान के साथ-साथ तटीय इलाकों में बाढ़ आने की भी आशंका जताई गई है। तेज हवाओं और भारी बर्फ के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त होने की संभावना है।

### विवादों में बांग्लादेश की नई बीएनपी सरकार!

## नई कैबिनेट में 70इ मंत्री बिजनेसमैन, एक तिहाई सांसद करोड़पति व अरबपति

ढाका **(एजेंसी)**। तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 13वें संसदीय चुनाव में निर्णायक जीत के बाद सरकार का गठन किया है। चुनाव आयोग को सौंपे गए शपथपत्रों के अनुसार 50 सदस्यीय कैबिनेट (मंत्री और राज्य मंत्री) में से 35 यानी करीब 70इ ने अपने पेशे के रूप में व्यवसाय दर्ज किया है। यह जानकारी ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में सामने आई। आंकड़ों के मुताबिक 19 कैबिनेट मंत्री और 16 राज्य मंत्री खुद को व्यवसायी बताते हैं। वकील दूसरी सबसे बड़ी पेशेवर श्रेणी हैं, जबकि कई सदस्यों ने एक से अधिक पेशे का उल्लेख किया है। उल्लेखनीय है कि केवल दो सदस्य प्रधानमंत्री तारिक रहमान और शिक्षा मंत्री एएनएम एहसानुल हक मिलन ने 'राजनीति' को अपना मुख्य पेशा बताया। 17 फरवरी को नेशनल पार्लियामेंट के साउथ प्लाजा में 25 मंत्रियों, जिनमें दो टेक्नोक्रेट कोटे से थे, ने शपथ ली। भ्रष्टाचार-रोधी संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआईबी) के कार्यकारी निदेशक इफ्तेखारुज्जमान ने चेतावनी दी कि कैबिनेट में व्यवसायियों की अधिकता से हितों के टकराव की आशंका बढ़ सकती है। उनके अनुसार मंत्रियों को उन फैसलों से दूर रहना चाहिए जिनसे उनके निजी या क्षेत्रीय कारोबारी हित प्रभावित हो सकते हैं।

# डोनाल्ड ट्रंप की नेटफ्लिक्स को सीधी चेतावनी सुसान राइस को हटाओ वरना होगा बड़ा कार्रवाई!

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और स्ट्रीमिंग दिग्गज नेटफ्लिक्स के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। ट्रंप ने नेटफ्लिक्स से अपनी बोर्ड मेंबर सुसान राइस को तुरंत नौकरी से निकालने को कहा है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर कंपनी ऐसा नहीं करती है, तो उसे इसके नतीजे भुगतने होंगे।

सुसान राइस ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन कंपनियों और संगठनों को चेतावनी दी थी जो ट्रंप के प्रति वफादारी दिखा रहे हैं। राइस ने कहा कि जो कॉर्पोरेशन, न्यूज चैनल और लॉ फर्में ट्रंप के सामने 'घुटने टेक रहे हैं', उन्हें आने वाले समय में डेमोक्रेटिक पार्टी की सत्ता वापसी पर जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि अगर इन कंपनियों को लगता है कि डेमोक्रेट्स पुराने नियमों से चलेंगे, तो वे गलतफहमी में हैं।

सुसान राइस अमेरिका की एक प्रभावशाली नेता रही हैं। वे पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर और संयुक्त राष्ट्र में राजदूत रह चुकी हैं। उन्होंने

जो बाइडेन के प्रशासन में भी काम किया है और 2023 में वे दोबारा नेटफ्लिक्स के बोर्ड में शामिल हुईं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में यह साफ नहीं किया है कि नेटफ्लिक्स को क्या सजा दी जाएगी। हालांकि, उनके प्रशासन के अधिकारी पहले भी कुछ नेटवर्क्स के ब्रॉडकास्ट लाइसेंस छीनने की धमकी दे चुके हैं। यह विवाद ऐसे समय में आया है जब नेटफ्लिक्स एक बड़ी बिजनेस डील (वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी को खरीदने की रेस) में शामिल है। फिलहाल नेटफ्लिक्स की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन ट्रंप की इस धमकी ने अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत में हलचल मचा दी है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। दैथानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)